राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष – 04 | अंक – 06 | जौनपुर | मंगलवार, 19 अगस्त 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

गंगा और यमुना समेत 17 नदियां उफान पर, 25 शहरों में बाढ़ का संकट

नई दिल्ली, (एजेंसी)। देश भर में मानसून पूरी तरह सक्रिय हो गया है और लगातार हो रही बारिश से हाल बेहाल है। इस बीच राज्यों में बहने वाली नदियां भी उफान मार रही हैं। केंद्रीय जल आयोग ने बाढ़ पूर्वानुमान को लेकर बड़ी जानकारी साझा की है। आयोग के मुताबिक, देश में करीब 17 नदियां खतरे के निशान के ऊपर बह रही हैं, जबकि कई पार करने की कगार में हैं। दिल्ली और भागलपुर समेत कई शहरों में बाढ़ का खतरा है। आयोग के मुताबिक, दिल्ली में पिछले 3 दिनों से बारिश बंद है, लेकिन फिर भी यमुना नदी उफान पर है। मंगलवार को पुराने रेलवे पुल पर नदी का जलस्तर 205.78 मीटर दर्ज किया गया है, जो 205.33 मीटर खतरे के निशान के ऊपर है। यमुना में हरियाणा के हथिनीकुंड बैराज से 32,926 क्यूसेक, वजीराबाद से 66,310 और ओखला बैराज से 91,212 क्यूसेक पानी छोड़े जाने से बाढ़ की संभावना बन रही है। इससे कई इलाकों में जलभराव का खतरा है। आयोग के मुताबिक, उत्तर प्रदेश के बदायूं, फर्रूखाबाद और फतेहपुर के भिटौरा में गंगा नदी खतरे के निशान के ऊपर बह रही है। बाराबंकी, अयोध्या और बलिया में घाघरा नदी खतरे के निशान को पार कर गई है। लखीमपुर खीरी के पलियाकलां में शारदा नदी और शाहजहांपुर के डाबड़ी में रामगंगा नदी उफान पर है। उत्तराखंड में हरिद्वार के रायसी में बाणगंगा खतरे के निशान को पार कर गई है।

मुंबई में बारिश से आफत, स्कूल और दफ्तर बंद रेड अलर्ट जारी

मुंबई, (एजेंसी)। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में लगातार हो रही बारिश की वजह से लोग परेशान हो गए हैं। उपनगरों में पिछले 24 घंटे में 200 मिलीमीटर से अधिक बारिश हुई है। बारिश को देखते हुए जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के रूप में कार्यरत बृहन्मुंबई नगर निगम (क्चरूष्ट) ने आवश्यक सेवाओं को छोड़कर अन्य सभी सरकारी और अर्ध–सरकारी कार्यालय बंद करने को कहा है। निजी कंपनियों को निर्देश दिया है कि वे कर्मचारियों से घर से काम कराएं। स्कूल भी बंद हैं। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने मुंबई के अलग–अलग क्षेत्रों में बहुत भारी बारिश की संभावना को देखते हुए रेड अलर्ट जारी किया है। यहां 45–55 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। विक्रोली में सबसे अधिक 255.5 मिमी, सांताक्रूज में 238.2 मिमी, कोलाबा में 110.4 मिमी, बायकुला में 241 मिमी, जुहू में 221.5 मिमी और बांद्रा में 211 मिमी बारिश दर्ज हुई है। पालघर, ठाणे, रायगढ़, रत्नागिरी और सिंधुदुर्ग के कॉलेजों में अवकाश घोषित है। इंडिगो एयरलाइंस ने भारी बारिश और जलभराव को देखते हुए मुंबई से उड़ान भरने वाले यात्रियों के लिए यात्रा सलाह जारी की है। इसमें कहा गया है कि बारिश के कारण हवाई अड्डे के कई मार्गों पर जलभराव और यातायात धीमा हो गया है, जिससे चुनौतियां पैदा हुई हैं।

सुदर्शन रेड्डी होंगे उपराष्ट्रपति चुनाव में विपक्ष के उम्मीदवार एशिया कप के लिए भारतीय टीम घोषित

नई दिल्ली, (एजेंसी)। पूर्व न्यायाधीश जस्टिस बी. सुदर्शन रेड्डी उपराष्ट्रपति पद के लिए विपक्ष के उम्मीदवार होंगे। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने इनके नाम का एलान किया। उन्होंने बताया कि विपक्ष ने एकमत होकर सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश के नाम पर सहमति जताई है। इससे पहले विपक्षी गठबंधन इंडियाश के नेताओं ने उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के नाम पर फैसला लेने और उसकी घोषणा करने के लिए 10 राजाजी मार्ग पर बैठक की थी। बैठक के बाद विपक्ष ने उनके नाम का एलान किया। सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश जस्टिस बी. सुदर्शन रेड्डी 21 अगस्त को अपना नामांकन दाखिल करेंगे। मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा, श्बी. सुदर्शन रेड्डी भारत के सबसे प्रतिष्ठित और प्रगतिशील न्यायविदों में से एक हैं। उनका एक लंबा और प्रतिष्ठित कानूनी करियर रहा है। वे आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय के न्यायाधीश, गौहाटी उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश और सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में काम कर चुके हैं। वे सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय के एक निरंतर और साहसी समर्थक रहे हैं। वे एक गरीब हितैषी व्यक्ति हैं। यदि आप उनके कई फैसले पढ़ेंगे, तो आपको पता चलेगा कि उन्होंने कैसे गरीबों का पक्ष लिया और संविधान व मौलिक अधिकारों की रक्षा की। पूर्व न्यायाधीश जस्टिस बी. सुदर्शन रेड्डी का मुकाबला राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन से होगा। भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए ने महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन को उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाया है, जो आरएसएस पृष्ठभूमि वाले तमिलनाडु के एक अनुभवी भाजपा नेता हैं। विपक्षी गठबंधन की ओर से अपने नाम का एलान किए जाने के बाद उन्होंने कहा कि मैं सभी दलों से समर्थन की अपील करता हूं। तृणमूल कांग्रेस नेता डेरेक ओब्रायन के अनुसार, आम आदमी पार्टी (आप) भी उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए रेड्डी का समर्थन कर रही है। जस्टिस बी. सुदर्शन रेड्डी का जन्म 8 जुलाई, 1946 को अकुला मायलाराम गांव, पूर्व इब्राहिमपट्टनम तालुका, रंगारेड्डी (आंध्र प्रदेश) में हुआ था। उनका नाता वर्तमान में कंदुकुर राजस्व मंडल के तहत आने वाले गांव के एक कृषक परिवार से रहा। उन्होंने हैदराबाद में पढ़ाई की और 1971 में उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद से कानून की डिग्री प्राप्त की। उन्होंने 1971 में ही अधिवक्ता के रूप में अपनी पहचान बना ली। इसके बाद वे वरिष्ठ अधिवक्ता के. प्रताप रेड्डी के चौंबर में शामिल हुए। उन्होंने हैदराबाद के नगर दीवानी न्यायालयों के साथ–साथ आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट में कई मामलों का निपटारा किया। वे 8 अगस्त, 1988 को आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट में सरकारी वकील के रूप में नियुक्त हुए। वे राजस्व विभाग के प्रभारी भी रहे और 8 जनवरी, 1990 तक इस पद पर बने रहे। इसके बाद वे कुछ समय के लिए केंद्र सरकार के अतिरिक्त स्थायी वकील के रूप में भी नियुक्त हुए। जस्टिस बी. सुदर्शन रेड्डी एवी एजुकेशन सोसाइटी की ओर से संचालित शैक्षणिक संस्थानों के सचिव और संवाददाता भी रहे। 1993–94 के लिए आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष चुने गए। 8 जनवरी, 1993 को उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद के कानूनी सलाहकार और स्थायी वकील नियुक्त किए गए।

आसान नहीं होगी सीपी राधाकृष्णन और एनडीए की राह

नई दिल्ली, (एजेंसी)। एनडीए के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन 20 अगस्त को नामांकन करेंगे। उम्मीद है कि शाम तक विपक्ष के साझा उम्मीदवार का नाम सामने आ जाएगा। तिरुचि सिवा के मुताबिक, विपक्ष में उपराष्ट्रपति के चुनाव को लेकर कोई भ्रम नहीं है। कांग्रेस पार्टी के नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री कहते हैं कि बस दो दिन की बात है। थोड़ा इंतजार कर लीजिए। यह चुनाव बहुत रोचक होने जा रहा है। अभी विपक्ष को अपने उम्मीदवार की घोषणा करनी है। दूसरी तरफ सत्ता पक्ष ने प्रचार भी शुरू कर दिया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मुहिम को आगे बढ़ाते हुए डीएमके के नेता और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन से फोन पर समर्थन के बाबत चर्चा की है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी चुनाव की सफल रणनीति बनाने में जुट गए हैं। इसके बाबत उन्होंने दोपहर डेढ़ बजे के करीब संसद भवन स्थित अपने कक्ष में भाजपा अध्यक्ष और केन्द्रीय मंत्री जेपी नड्डा, केंद्रीय मंत्री पीयुष गोयल, धर्मेंद्र प्रधान समेत अन्य के साथ रणनीतिक चर्चा की। कुल मिलाकर सत्ता पक्ष कमर कसकर तैयार है और उसका इरादा पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से अधिक वोट पाकर सीपी राधाकृष्णन को चुनाव जितवाना है। जगदंबिका पाल भाजपा के सांसद हैं। पहले कांग्रेसी थे। वह तपाक से कहते हैं कि सीपी राधाकृष्णन को अधिक वोट मिलना तय है। बंपर मतो से जीत होगी। सवाल दक्षिण के राधाकृष्णन का है। हालांकि, जगदंबिका पाल एक बात को सहसा मान लेते हैं। उन्हें पता है कि विपक्ष की भी एक राजनीतिक मजबूरी है। इसलिए संभव है कि उपचुनाव में सर्वसम्मति की स्थिति न बन पाए और विपक्ष उम्मीदवार उतारे? पाल कहते हैं कि लेकिन इससे फर्क नहीं पड़ता। अगला उपराष्ट्रपति हमारा ही होगा। जब जगदंबिका पाल यह आत्मविश्वास दिखा रहे थे तो थोड़ी दूर पर कांग्रेस के पूर्व मंत्री उन्हें सुन रहे थे। पाल के जाते ही उन्होंने कहा कि बस दो दिन रुक जाइए। सूत्र का कहना है कि उम्मीदवार घोषित न होने के कारण अभी बोलना ठीक नहीं है। बस केवल एक इशारा समझ लीजिए। कांस्टीट्यूशन क्लब के सचिव का चुनाव हाल में संपन्न हुआ है। इसमें गृहमंत्री और भाजपा अध्यक्ष भी वोट डालने गए थे। हालांकि, दोनों ही प्रत्याशी भाजपा के थे, ।

22 भाषाओं की सुविधा, अध्यक्ष ओम बिरला ने दी जानकारी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने मंगलवार को बताया कि अब से सदन में संविधान की आठवीं अनुसूची में उल्लेखित सभी में कार्यवाही का अनुवाद होगा। लोकसभा की बैठक शुरू होते ही अध्यक्ष बिरला ने कहा कि मुझे सदन को यह सूचित करते हुए बहुत प्रसन्नता हो रही है कि हम सदन में संविधान की आठवीं अनुसूची में उल्लेखित सभी भाषाओं में अनुवाद की सुविधा उपलब्ध करा रहे हैं।

अब तक 18 भाषाओं में अनुवाद की सुविधा उपलब्ध थी

उन्होंने बताया कि अभी तक सदन की कार्यवाही का अनुवाद हिंदी और अंग्रेजी के अतिरिक्त 18 भाषाओं अर्थात असमिया, बांग्ला, बोडो, डोगरी, गुजराती, कन्नड, मैथिली, मलयालम, मणिपुरी, मराठी, नेपाली, उड़िया, पंजाबी, संस्कृत, सिंधी, तमिल, तेलुगु और उर्दू में किया जा रहा था। बिरला ने बताया कि अब इसमें कश्मीरी , कोंकणी और संथाली भाषाओं को भी शामिल किए जाने से हम संविधान में

उल्लेखित सभी भाषाओं में अनुवाद की सुविधा उपलब्ध करा रहे हैं। उन्होंने इस दौरान बिहार में मतदाता सूची के एसआईआर के मुद्दे पर शोर–शराबा कर रहे सदस्यों से कार्यवाही चलने देने का आग्रह करते हुए कहा कि दुनिया में सिर्फ भारत की संसद है, जिसमें एक समय में 22 भाषाओं में अनुवाद की सुविधा उपलब्ध है और कहीं ऐसा नहीं है। हमें देश के लोकतंत्र और संविधान पर गर्व करना चाहिए। इसलिए मेरा आपसे अनुरोध है कि सदन चलाने में सहयोग करें। दुनिया में सबसे बड़ा लोकतंत्र हमारा है। मुझे आशा है कि आप सदन चलाने में सहयोग करेंगे। इसके बाद, लोकसभा अध्यक्ष ने विपक्ष के हंगामे के बीच ही प्रश्नकाल शुरू कराया। बिहार के पश्चिम चंपारण से भारतीय जनता पार्टी के सांसद डॉ संजय जायसवाल ने राजभाषा से संबंधित प्रश्न पूछते हुए।

फिर विवादों में घिरे बालमुकुंद आचार्य, मुस्लिम युवक से कहा–वंदे मातरम् बोलो

मुबई, (एजेंसी)। राजस्थान के विधायक बालमुकुंद आचार्य द्वारा एक शिक्षक को वंदे मातरम और भारत माता की जय का नारा लगाने से कथित तौर पर इनकार करने पर फटकार लगाने का एक वीडियो वायरल हो गया है, जिससे विवाद खड़ा हो गया है। यह घटना इस महीने की शुरुआत में जयपुर के वैशाली नगर स्थित एक होटल में हिंदुस्तान बुक ऑफ रिकॉर्ड्स द्वारा आयोजित एक निजी सम्मान समारोह के दौरान हुई थी। शिक्षकों को सम्मानित करने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम में देश भर के स्कूलों के अधिकारियों ने भाग लिया, जिनमें 100 शिक्षक भी शामिल थे। आचार्य की हरकतों, जिसमें शिक्षक से बार–बार पूछताछ भी शामिल थी, ने काफी ध्यान आकर्षित किया है। महाराष्ट्र के अंसारी मोहम्मद राशिद नामक शिक्षक को उनकी दाढ़ी से मुसलमान बताते हुए, आचार्य ने उनसे वंदे मातरम का नारा लगाने पर जोर दिया। राशिद के कथित इनकार के कारण ही आचार्य ने कार्यक्रम के दौरान इस मुद्दे पर बार–बार जोर दिया। आचार्य ने रशीद की वफादारी पर सवाल उठाते हुए कहा कि आप इस देश से खाते हैं, लेकिन इसके प्रति वफादार नहीं हैं। जयपुर के हवा महल से भाजपा विधायक ने आगे पूछा, आप वंदे मातरम क्यों नहीं कह रहे हैं? क्या आप बाहर से आए हैं? क्या आप हमारे देश के नहीं हैं?

बार-बार नेहरू और इंदिरा का नाम लेकर जिम्मेदारी से हट नहीं सकते : प्रियंका गांधी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। बिहार में एसआईआर के मुद्दे पर कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने केंद्र सरकार पर जोरदार हमला बोला। उन्होंने बार–बार पंडित नेहरू का नाम लेने पर भी केंद्र सरकार को घेरा। प्रियंका गांधी ने बीजेपी पर वोट चोरी के मुद्दे से ध्यान भटकाने का आरोप लगाया। प्रियंका गांधी ने अपने भाई राहुल गांधी को हिम्मत वाला बताया। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने कहा कि श्वोट चोरीश मुद्दे पर, उन्हें (चुनाव आयोग को) सच बताना चाहिए। राहुल जी किसी से नहीं डरते, सह लेंगे सब कुछ और पीछे नहीं हटेंगे। क्योंकि वे राहुल जी द्वारा उठाए गए सवालों का जवाब देने में सक्षम नहीं हैं, वे हलफनामे, नेहरू जी, इंदिरा जी के बारे में बात करना शुरू कर देते हैं। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि इन 10–11 सालों में कई ऐसी बातें हुई हैं जिनके लिए उन्होंने (भाजपा ने) नेहरू जी को जिम्मेदार ठहराकर अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लिया है। उन्हें अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए, बीती बातें छोड़ कर आज जो हो रहा है उस पर बात करनी चाहिए। उन्हें जवाब देना चाहिए कि ैप्त क्यों किया जा रहा है, और वोट चोरी के मुद्दे पर बात करनी चाहिए। अगर ये सच नहीं है, तो जनता को बताएं।

वोट चोरी के जरिए बुनियादी अधिकार को छीना जा रहा लोकतंत्र में आम जनता के पास सबसे बड़ा अधिकार है वोट का अधिकार, जिसका इस्तेमाल करके जनता सरकार चुनती है।

अगली बार राहुल गांधी को पीएम बनाएंगे, वोटर अधिकार यात्रा में तेजस्वी यादव का ऐलान

बिहार, (एजेंसी)। राजद नेता तेजस्वी यादव ने मंगलवार को कहा कि अगले लोकसभा चुनाव में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाने के लिए विपक्ष मिलकर काम करेगा। उनकी टिप्पणी से इस बात के स्पष्ट संकेत मिलते हैं कि 2029 के आम चुनावों में राहुल गांधी को इंडिया ब्लॉक के प्रधानमंत्री पद के चेहरे के रूप में पेश किया जा सकता है। राजद नेता ने कहा कि अगले लोकसभा चुनाव होने पर हम राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाने की दिशा में काम करेंगे। बिहार के नवादा में श्मतदाता अधिकारश रैली का नेतृत्व करते हुए, लोकसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव की मौजूदगी में यादव ने यह टिप्पणी की। रैली को संबोधित करते हुए, यादव ने यह भी कहा कि अब समय आ गया है कि युवा पीढ़ी को राज्य चलाने का मौका मिले। यादव ने कहा कि नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली सरकार श्खटाराश हो गई है और इसे तुरंत बदलने की जरूरत है। युवाओं को अब मौका मिलना चाहिए... हमारे पास बिहार के लिए एक विजन है। युवाओं ने संकल्प लिया है कि वे इस पुरानी और जर्जर सरकार को सत्ता से हटाएँगे और अगले लोकसभा चुनावों के बाद राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाएँगे। उन्होंने कहा कि हमारे पास बिहार के लिए दृष्टिकोण हैं। युवाओं ने संकल्प लिया है कि वे इस पुरानी और खटारा सरकार को सत्ता से हटाएंगे ।

मुंबई में लगभग 300 मिमी बारिश हुई है कई इलाकों में रेड अलर्ट जारी : देवेंद्र फड़नवीस

मुंबई, (एजेंसी)। राज्य के कई हिस्सों में भारी बारिश के बीच, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस ने मंगलवार को कहा कि मुंबई में लगभग 300 मिमी बारिश हुई है, जिससे कुछ व्यवधान हुआ है, लेकिन मीठी नदी का जल स्तर धीरे–धीरे कम हो रहा है। शहर में 18 अगस्त को सुबह 8 बजे से 19 अगस्त को सुबह 8 बजे तक पिछले 24 घंटों में 300 मिमी बारिश हुई। मुख्यमंत्री ने कहा कि जहां जरूरत है वहां एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीमें तैनात की गई हैं।कोंकण और घाट क्षेत्रों में अगले कुछ घंटों के लिए रेड अलर्ट जारी रहेगा तथा कुछ क्षेत्रों के लिए ऑरेंज अलर्ट भी जारी किया गया है। मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा, राज्य में भारी बारिश के कारण कुछ स्थानों पर जान–माल का नुकसान हुआ है। कुछ स्थानों पर एसडीआरएफ और एनडीआरएफ के जवान तैनात हैं। मुंबई में लगभग 300 मिमी बारिश हुई है , जिसके कारण कुछ व्यवधान उत्पन्न हुए हैं। मीठी नदी का जलस्तर धीरे–धीरे कम हो रहा है। कोंकण और घाट क्षेत्रों के लिए अगले कुछ घंटों के लिए रेड अलर्ट जारी किया गया है। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने आज नौपाड़ा इलाके का दौरा किया, जहाँ कई घर पानी में डूब गए हैं। शहर में कल रात से लगातार बारिश हो रही है।

अनुराग ठाकुर को बचा रही सरकार : राहुल गाँधी

औरंगाबाद, (एजेंसी)। बिहार के औरंगाबाद में कांग्रेस नेता राहुल गांधी और आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने बिहार के औरंगाबाद में एक बार फिर चुनाव आयोग पर निशाना साधा है। एक तरफ राहुल ने कहा कि चुनाव आयोग उनसे हलफनामा मांगता है लेकिन बीजेपी नेता अनुराग ठाकुर ने नहीं मांगता। वहीं दूसरी तरफ तेजस्वी ने कहा कि बिहार में चुनाव आयोग कोप्त के जरिए आपके वोट चुराने के लिए भेजा गया है तेजस्वी ने क्या कहा?नेता तेजस्वी यादव ने चुनाव आयोग पर एक बार फिर हमला बोला है। उन्होंने औरंगाबाद में जनता को संबोधित करते हुए कहा, जब बिहार में ईडी, सीबीआई, आयकर विभाग फेल हो गए, तो उन्होंने अब बिहार में चुनाव आयोग को के जरिए आपके वोट चुराने के लिए भेजा है। भाजपा की डबल इंजन

सरकार आपके वोट चुराना चाहती है। एक बड़ा घोटाला चल रहा है और वे आपके वोट काट रहे हैं। सूत्र औरंगाबाद में राहुल गांधी ने भी चुनाव आयोग पर साधा निशाना औरंगाबाद में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा, चुनाव आयोग मुझसे हलफनामा मांगता है। लेकिन जब अनुराग ठाकुर वही बात कहते हैं जो मैं कह रहा हूं, तो उनसे हलफनामा नहीं मांगा जाता। महाराष्ट्र में लोकसभा चुनाव हुए और इंडिया गठबंधन जीत गया। चार महीने बाद, विधानसभा चुनाव हुए और उसी महाराष्ट्र में भाजपा गठबंधन ने भारी जीत हासिल की और हमारा गठबंधन दिखाई नहीं दिया। गायब हो गया। जब हमने जांच की, तो पता चला कि चुनाव आयोग ने लोकसभा चुनाव के बाद चार महीनों में जादुई तरीके से एक करोड़ नए मतदाता बना दिए। जहां भी नए मतदाता आए, वहां भाजपा जीत गई। हमारे वोट कम नहीं हुए। अपराधी को मौके पर पकड़ा राहुल गांधी ने कहा, इंडिया गठबंधन को विधानसभा में उतने ही वोट मिले जितने लोकसभा में मिले थे। बीजेपी को सभी नए मतदाता मिले। इसलिए हमें शक हुआ। हमने चुनाव आयोग से कहा कि हमें यह समझाएं। ये एक करोड़ मतदाता कहां से आए? वे कौन हैं? चुनाव आयोग ने हमें कहा कि हम स्पष्टीकरण नहीं देंगे।

संपादकीय

लाइलाज प्लास्टिक

इसमें दो राय नहीं कि मानव जीवन की सुविधा के लिये बना प्लास्टिक आज हमारी धरती के लिये ही घातक साबित हो रहा है। दूसरे शब्दों में कहें तो प्लास्टिक हमारे ग्रह का दम घोंट रहा है। निस्संदेह, इसको नष्ट करना बेहद कठिन है क्योंकि धरती में दबाएं तो भूमि की उर्वरता पर संकट आता है। इसको जलाएं तो विषैली गैसों से वातावरण प्रदूषित होता है। ये जल्दी से गलता भी नहीं है। अब तो महानगरों व शहरों की जलनिकासी को प्लास्टिक गहरे तक बाधित कर रहा है। यहां तक कि प्लास्टिक के बारीक कण मनुष्य के शरीर में प्रवेश कर रहे हैं। प्लास्टिक समुद्र में जा रहा है तो मछलियों को जहरीला बना रहा है। नदी, पहाड़ और मैदान सब प्लास्टिक कचरे के आगोश में हैं। लेकिन सबसे ज्यादा चिंता की बात यह है कि भयावह संकट के बावजूद इससे निबटने के उपायों को लेकर वैश्विक सहमति नहीं बन पा रही है। वैश्विक प्लास्टिक संधि पर जिनेवा वार्ता विफल होने से इस बाबत वैश्विक विभाजन पूरी तरह उजागर हो गया है। दरअसल, लगभग सत्तर देशों का एक उच्च महत्वाकांक्षी समूह, जो प्लास्टिक पर वैश्विक सीमा और खतरनाक रसायनों पर नियंत्रण की मांग कर रहा है, अब तेल व पेट्रोकेमिकल उत्पादक एक समूह के खिलाफ खड़ा है, जो रीसाइक्लिंग, अपशिष्ट प्रबंधन और स्वैच्छिक प्रतिबद्धताओं को दर्शा रहे हैं। इस समूह में भारत भी शामिल है, जिसे दुनिया का सबसे बड़ा प्लास्टिक प्रदूषक होने का दर्जा दिया जा रहा है। कहा जा रहा है कि वैश्विक प्लास्टिक उत्सर्जन में लगभग बीस फीसदी हिस्सा भारत का है। भारत इस बात पर जोर देता रहा है कि इस दौरान चरणबद्ध समाप्ति की समय सीमा वाले उत्पादों या रसायनों की कोई वैश्विक सूची नहीं होनी चाहिए। भारत की दलील तार्किक है कि विभिन्न देशों की राष्ट्रीय परिस्थितियों और क्षमताओं पर उचित विचार किया जाना चाहिए। विडंबना यह है कि भारतीय अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले पेट्रोकेमिकल क्षेत्र, माइक्रो प्लास्टिक प्रदूषण का भी एक प्रमुख स्रोत है। लेकिन इस बात को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता कि इस तरह के प्रदूषण का पारिस्थितिकीय तंत्र, जैव विविधता और मानव स्वास्थ्य पर गहरा असर होता है। खासकर हमारे शरीर पर पड़ने वाले घातक प्रभाव को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। निश्चित रूप से यह एक हकीकत है कि औद्योगिक विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन साधना एक टेढ़ी खीर है। लेकिन इसके बावजूद इस दिशा में सार्थक प्रयास करने जरूरी हैं। इस संकट से मुकाबला करने के लिये भारत को समान विचारधारा व परिस्थितियों वाले चीन, रूस और सऊदी अरब जैसे देशों के साथ मिलकर काम करना होगा। बहुत संभव है कि प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करने के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय कानून बाध्यकारी साधन के रूप में कारगर सिद्ध हो सके, लेकिन इससे लोगों और पर्यावरण के प्रति सरकारों की जिम्मेदारी कम नहीं हो सकती। बहुत संभव है कि प्रदूषणकारी उद्योगों पर कार्रवाई कड़ा संदेश दे सकती है। वहीं दूसरी ओर भारत सरकार को पहचाने गए एकल–उपयोग वाले प्लास्टिक पर प्रतिबंध की प्रभावशीलता और उसके प्रवर्तन में कमियों का भी गंभीरता से आकलन करना चाहिए। इसके लिये जनजागरण अभियान चलाने की भी जरूरत है ।

संख्या नियंत्रण के उपाय ही बेहतर समाधान

गोपाल

श्वान आदिकाल से इंसान संग बस्तियों में रहते आये हैं। लेकिन हाल ही में निराश्रित कुत्तों द्वारा लोगों को काटने की घटनाएं बढ़ना चिंताजनक है। ऐसे में गलियों में खुले जीने वाले इस जीव को आश्रय स्थल भेजने की मुहिम जारी है। डॉग शेल्टर की संख्या व सुविधाएं कम हैं। कुत्तों की संख्या नियंत्रण को बंध्याकरण जैसे उपाय अपनाने चाहिये। विश्व स्वास्थ्य संगठन यानी डब्ल्यूएचओ के मुताबिक दुनिया में कुत्ते के काटने से होने वाले रैबीज से मौत के 36 प्रतिशत मामले भारत में होते हैं। यह संख्या 18,000 से 20,000 तक है। रैबीज से होने वाली मौतों के 30 से 60 प्रतिशत मामलों में पीड़ित की उम्र 15 साल से कम होती है। यह निर्विवाद है कि एक भी व्यक्ति की जान इस तरह जाए तो यह मानवता पर सवाल है और उसे बचाने के लिए सरकार और समाज को कड़े कदम उठाने चाहिए। वहीं डब्ल्यूएचओ की ही रिपोर्ट के अनुसार, भारत में हर साल शराब के सेवन से लगभग 2,60,000 से ज्यादा लोगों की मौत होती है। यह संख्या 2019 के आंकड़ों पर आधारित है, जिसमें बताया गया कि शराब सेवन से सबसे ज्यादा प्रभावित 20–39 वर्ष की आयु के युवा हैं। इनमें शराब के सेवन के चलते लीवर, दिल, कैंसर व दुर्घटनाओं से जुड़ी मौतें शामिल होती हैं। भारत में हर साल तंबाकू और गुटखा सेवन के चलते बीमारियों से लगभग 13.5 लाख लोगों की मृत्यु होती है यानी औसतन प्रतिदिन 3,700 से अधिक मौतें। सवाल उठना लाजिमी है कि समाज के जो कथित जिम्मेदार लोग कभी शराब और गुटखे पर पूरी पाबंदी के लिए कोर्ट तो क्या अपने मोहल्ले में खड़े नहीं हुए, उन्हें कुत्तों से अचानक इतनी नफरत क्यों हो गई। जबकि मनुष्य ने धरती पर पैदा होने के बाद सबसे पहले कुत्ता पालना शुरू किया था। बता दें कि नव पाषाण काल करीब 4000–2500 ईसा पूर्व के मानव कंकाल के साथ कुत्ता दफनाने के साक्ष्य बुर्जहोम, जम्मू–कश्मीर से प्राप्त हुए हैं। आदिकाल में कुत्ता इंसान को शिकार करने में मदद करता था, घर व फसल की रखवाली करता था। कम भोजन में भी वफादार बने रहने के उसके गुण ने आज कुत्ते को इंसान द्वारा पाला जाने वाला सबसे विश्वस्त और सर्वाधिक संख्या वाला जानवर बना दिया। 'बैलों के गले में जब घुंघरू जीवन का राग...' यह गीत कोई बहुत पुराना नहीं। तब बैल घर की प्रतिष्ठा और दरवाजे पर बंधी गाय पवित्रता की प्रतीक होती थी। फिर धीरे से ट्रैक्टर आया, जब जमीन की जोत छोटी हो गई और ट्रैक्टर नाम का 'हाथी' दरवाजे बंध गया तो खेती घाटे का सौदा हुई। बैल लुप्त हुए और गाय निराश्रित, जिन लोगों ने गाय को दरवाजे से हटाकर गोशाला ले जाने को पावन कार्य बनाया, वही वर्ग अब सड़कों से कुत्ते हटाने के तर्क गढ़ रहा है। ये वही वर्ग है जो सरकार की उस योजना का समर्थक है जिसमें प्रकृति के नियमों के विरुद्ध केवल बछिया ही पैदा करने के सीरम गांव–गांव बांटे जाते हैं। हालात ये हैं कि सिर्फ उत्तर प्रदेश में ही 16 लाख से अधिक निराश्रित गायें हैं। पूरे भारत में निराश्रित गायों की सटीक संख्या के लिए राष्ट्रीय पशुगणना 2025 के नतीजों की प्रतीक्षा है, लेकिन अलग–अलग राज्य की रिपोर्ट्स के अनुसार यह संख्या 50 लाख से अधिक मानी जाती है। गोशालाओं की संख्या इसकी तुलना में मामूली है। जो हैं भी, उनमें अधिकांश अव्यवस्था की शिकार हैं। क्या कभी विचार किया गया कि जलवायु परिवर्तन, खासकर बहुत तीखी गर्मी और अचानक बहुत तेज बरसात का असर सीधा अन्य जानवरों समेत इन बेसहारा कुत्तों पर भी पड़ रहा है। जब इंसान इस इतने बड़े बदलाव को समझ नहीं पा रहा तो जाहिर है कुत्तों को इसके साथ सामंजस्य बैठाने में समय तो लगेगा ही। जब मौसम की मार में इंसान भी उन पर क्रोध दिखाता है तो उनका जानवरपन उभर आता है। इसके साथ ही शहरीकरण के चलते बढ़ते जा रहे ट्रैफिक के शोर, प्रदूषण, बेतरतीब पड़े कचरे से मांसाहारी खाने और परिसरों में रोशनी की चकाचौंध ने भी कुत्तों को असहज बना दिया है। बीते छह अगस्त को ही दिल्ली हाईकोर्ट के उस निर्देश पर भी विचार करना होगा जिसमें जज साहब ने कहा था कि 'कुत्ते दुनिया के सबसे प्यारे जानवर हैं और इंसानों के सबसे अच्छे दोस्त हैं। यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि कुत्तों की सुरक्षा की जाए और उन्हें सम्मान दिया जाए। या तो कुत्ते घर पर हों या आश्रय में। सड़कों पर कचरा खाते हुए नहीं...।' वहीं इंसान की कुत्तों के प्रति बढ़ रही नफरत के मद्देनजर उत्तराखंड हाईकोर्ट का जुलाई, 2018 में दिया गया वह आदेश भी ध्यान देने योग्य है जिसमें लिखा थादृ'जानवरों को भी इंसान की तरह जीने का हक है। वे भी सुरक्षा, स्वास्थ्य के लिए और क्रूरता के विरुद्ध इंसान जैसे ही अधिकार रखते हैं।' फिलहाल तो लगता है जैसे देश में और कोई बड़ी समस्या रह नहीं गई हो। कुछ लोग कुत्तों को हटाने को लेकर एक से बढ़कर एक तर्क गढ़ रहे हैं, मसलन, एक ने कहा कि कुत्ते नहीं होंगे तो सफाई रहेगी। यहां जवाब है कि रेल या मोहल्ले के सार्वजनिक शौचालय में तोड़फोड़, चोरी और सलीके से इस्तेमाल न कर गंदा करने कुत्ते नहीं आते। क्या घर के बाहर पोलीथिन समेत कूड़ा, चलती कार से चिप्स पैकेट या केले का छिलका वे नहीं फैंकते हैं। धरती पर सभी जीवों की संख्या पर नियंत्रण जरूरी है लेकिन उसके लिए अमानवीय तरीकों, और क्रूरता का सहारा लेने का सुझाव देने वाले भी सही नहीं कहे जा सकते। दूसरी ओर, जो सुप्रीम कोर्ट के आदेश से असहमत हैं उन्हें भी निराश्रित कुत्तों के बंध्याकरण और टीकाकरण की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। यदि कुत्तों का टीकाकरण, नसबंदी, उसकी जानकारी उनके पट्टे में दर्ज करने जैसे सामान्य उपाय नागरिक समाज कर ले तो इस समस्या का निराकरण संभव है।

ओवरटूरिज्म के खिलाफ मुखर स्थानीय विरोध

जगदीस

पर्यटकों को यह समझना होगा कि सुंदर, संवेदनशील प्राकृतिक स्थलों की विशिष्टता बनाए रखना सबसे जरूरी है। ऐसा न हो कि आज के अत्यधिक उपभोग से वे स्थल भविष्य में अपनी सुंदरता और पहचान खो देंकृऔर न केवल पर्यटक, बल्कि वहां के मूल निवासी भी नुकसान झेलें। निस्संदेह, टूरिज्म हो या ओवरटूरिज्म, इससे देशों, राज्यों, नगरों या गांवों की आर्थिकी बढ़ने की संभावनाएं रहती ही हैं। मगर पूरे विश्व में सभी देशों के स्थानीय निवासी ओवरटूरिज्म से खुश नहीं हैं। विशेषकर यूरोप में लोकप्रिय पर्यटक नगरों में अतिशय पर्यटन का विरोध हो रहा है। भारतीय पर्यटन नगरियों में भी पर्यटकों की भारी भीड़, उनके व्यवहार, जाम, उपभोक्ता सामग्रियों की बढ़ती मांग और कूड़ा–कचरे के अंबार के कारण भारत भी देर–सबेर ओवरटूरिज्म के विरोध से अछूता नहीं रहेगा। यूरोप में ओवरटूरिज्म का विरोध करने वाले प्रदर्शनकारियों का कहना है कि इससे घरों के किराए बढ़ गए हैं, हमारी गलियां भीड़भरी हो गई हैं और स्थानीय संस्कृति का क्षरण हो रहा है। भारत में भी अत्यधिक पर्यटनग्रस्त नगरों के नागरिक ऐसा अनुभव कर रहे हैं। दरअसल, ओवरटूरिज्म की असली कीमत स्थानीय लोग चुका रहे हैं। जाम में फंसकर हर काम में अतिरिक्त समय लग रहा है। आने–जाने में देरी से जरूरी काम छूट जाते हैं या टालने पड़ते हैं, जिससे आर्थिक हानि होती है और मानसिक तनाव भी बढ़ता है। यह वह लागत है, जो पर्यटन से होने वाली आय का बखान करने वाली सरकारों और हितधारकों के आकलन में शामिल नहीं होती। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, शिमला में 20 से 23 जून के बीच 60,000 पर्यटक वाहन नगर में दाखिल हुए। इसी प्रकार, जून, 2025 में देहरादून से मसूरी मार्ग पर सामान्य दिनों में जहां प्रतिदिन 4,000 से 8,000 वाहन चलते थे, वहीं अब सप्ताहांत में यह संख्या 15,000 तक पहुंच रही है। यूरोप में ओवरटूरिज्म के खिलाफ आंदोलन तेज हो गया है, विशेषकर इटली, स्पेन और पुर्तगाल में यह विरोध जोर पकड़ रहा है। 'घर जाओ पर्यटक', 'एक पर्यटक का बढ़ना, एक स्थानीय का कम होना' जैसे पोस्टर आम हो गए हैं। लोगों का कहना है कि उनका जीवन दूभर हो गया है। इसके अलावा बड़े–बड़े होटलों के निर्माण और विस्तार का विरोध हो रहा है। 15 जून को यूरोप के कई हिस्सों में बड़े विरोध–प्रदर्शन हुए। बार्सिलोना इन प्रदर्शनों का प्रमुख केंद्र बन चुका है। वहां प्रदर्शनकारियों ने वाटर गनों से पर्यटकों को निशाना बनाया। बार्सिलोना की जनसंख्या मात्र 16 लाख है, जबकि 2024 में वहां 2.6 करोड़ पर्यटक आए। लोग कह रहे हैं कि अब जहां नजर डालें, वहां पर्यटक ही दिखते हैं। 'आपका सामना ऐसे लोगों से होता है, जिन्हें आप नहीं जानते और जो आपको नहीं जानते,'कृ स्थिति असहायता का भाव पैदा करती है। पिछले वर्ष यूरोप में कुल 7470 लाख पर्यटक आए। ग्रीस में देश की जनसंख्या से चार गुना अधिक पर्यटक पहुंचे। अधिकांश प्रमुख पर्यटक शहरों में स्थानीय जनसंख्या से सात–आठ गुना अधिक पर्यटक आ रहे हैं, जिससे सामाजिक, सांस्कृतिक और बुनियादी ढांचे पर भारी दबाव है। भारत में भी यात्रियों के पारंपरिक मूल्यों की दृष्टि से अनुचित आचरण और व्यवहार से समस्याएं उत्पन्न हो रही हैं। उत्तराखंड के समाज विज्ञानियों का कहना है कि इस साल के टूरिस्ट सीजन और चारधाम यात्रा के दौरान प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से जो वीडियो, तस्वीरें और खबरें सामने आईं, वे दर्शाती हैं कि सार्वजनिक स्थानों पर गुंडागर्दी, सड़कों पर हादसे, शराब और ड्रग्स का सेवन व अपराध तेजी से बढ़े हैं। केरल के वायनाड जिले में एक बांध के पास के गांवों के किसान रील बनाने आने वाली उद्दंड पर्यटक भीड़ से परेशान हैं। उन्होंने प्रशासन से इस पर रोक लगाने की मांग की है। वे कहते हैं कि इससे खेतों को नुकसान हुआ है और निजता का भी उल्लंघन हुआ है। पर्यटकों के मनमाने ढंग से जहां–तहां रुकने और ट्रैफिक नियमों की अनदेखी से पर्यटक मार्गों पर दुर्घटनाओं का जोखिम लगातार बढ़ रहा है। सड़क मार्ग पर लगने वाला जाम तो ओवरटूरिज्म की शुरुआत भर है। इसका असली असर तब दिखता है जब कोई पर्यटक नगरी के भीतर जाकर प्रमुख पर्यटन स्थलों कृजैसे झीलों, झरनों, नदियों, पार्कों या म्यूजियमों कृमें पहुंचता है। वहां की भीड़, शोरगुल और प्रदूषण स्थानीय पर्यावरण और शांति को गहरे प्रभावित करते हैं। हजारों पर्यटकों और सैकड़ों वाहनों की आवाजाही से न तो शांति रह गई है, न ही स्वच्छ वायु। प्लास्टिक कचरा और अन्य प्रदूषण अलग से संकट पैदा कर रहे हैं। सरकारें कैसे सोचती है कि स्थानीय लोग थोड़े आर्थिक लाभ के लिए अपनी शांति और पर्यावरण का बलिदान देने को तैयार रहेंगे? मान लिया जाए कि पर्यटन से पैसा आता है, पर वह लाभ मुख्यतः बाजार के कुछ दुकानदारों तक ही सीमित रहता है। ये दुकानदार, सामान की कमी बताकर ओवर रेटिंग करते हैं और ज्यादा मुनाफा कमाते हैं। इन ऊंची कीमतों का असर केवल पर्यटकों पर ही नहीं, बल्कि वहीं रहने वाले स्थानीय लोगों पर भी पड़ता है। होटल व्यवसायी महंगे सामान खरीदकर उसका खर्च पर्यटकों से वसूल सकते हैं, लेकिन घर चलाने वाली एक आम गृहिणी के लिए यह महंगाई एक बड़ा बोझ बन जाती है। वह परिवार की जरूरतें पूरी करने हेतु खरीदारी करती है। पारिस्थितिकी तंत्र और प्राकृतिक संसाधनों पर बढ़ता भार ओवरटूरिज्म का एक गंभीर पहलू है।

..... विविध .....

बुजुर्गों के तजुर्बों की सीख का मूल्य समझे नयी पीढ़ी

बुजुर्ग अपनी जिंदगी में हर तरह के हालात से गुजरे होते हैं। उनके पास अनुभवों का खजाना होता है। इससे नयी पीढ़ी के मन–जीवन को सार्थकता मिलेगी। बड़ों के दृष्टिकोण, अनुभव और ज्ञान को पहचानने और सम्मान देने का माहौल हर घर में बनाना होगा। वरिष्ठजनों की सलाह व सबक को मानना–सुनना फायदेमंद है। इसमें जहां सहज भाव से, गिले–शिकवे भुलाकर व खुलकर

जीने की सीख शामिल है, वहीं समाज–परिवार से जुड़े रहने की भी। बड़ों का आशीर्वाद ही नहीं, उनकी सलाहें भी अनमोल होती हैं। छोटी हो या बड़ी, हर उलझन में उनका मार्गदर्शन मददगार बनता है। सहज रूप से नयी पीढ़ी को सही दिशा दिखाता है। उनके अनुभव व्यावहारिक जिंदगी से मिलवाते हैं। आम सी सलाह भी जीवन के लिए बहुत मूल्यवान होती है। बरसों जिंदगी से जूझकर जुटाये गए अनुभव और दुःख–सुख को जीते हुए सीखे अनगिनत सबक, नयी जनरेशन की जिंदगी को नेविगेट करने में अहम भूमिका निभा सकते हैं।

अनुभव से सबक

बुजुर्गों ने अपनी जिंदगी में हर तरह के हालात से जुड़े अनुभवों को जिया होता है। सर्वाइवल यानी अस्तित्व बचाने के सूत्रों को खुद समझा होता है। सहज हो या चुनौतीपूर्ण, परिस्थितियां बहुत से सबक सिखाकर जाती हैं। ऐसे में संचित समझ और ज्ञान की पूंजी से भरी उनकी झोली नयी पीढ़ी का मार्गदर्शन कर सकती है। जीवन के हर पहलू पर उनसे मिली सलाह सही दिशा दिखा सकती है। रिश्तों और कैरियर से लेकर व्यक्तित्व विकास, सही फैसले लेने और खुद को थामने के मोर्चे पर उनका दृष्टिकोण अहम होता है। जो हर जटिल परिस्थिति में जादू सा बन मन को दिशा दे जाता है। ऐसे अनमोल सबक किताबों में नहीं मिलते। ना ही हर ओर छायी रील्स और वीडियो जिंदगी के संघर्षों के दौरान जुटाये गए इस तजुर्बे की बराबरी कर सकते हैं। गौरतलब है कि वर्ष 2025 में वरिष्ठ नागरिक दिवस का थीम 'एम्पावरिंग एल्डरली वॉइसेज फॉर एन इंक्लूजिव फ्यूचर' है। समावेशी भविष्य के लिए बुजुर्ग आवाजों को सशक्त बनाने से जुड़े इस थीम का उद्देश्य बुजुर्गों के विचारों को सुना जाना है। उनकी सोच–समझ को अहमियत देने से जुड़ा है। ऐसे में बड़ों के दृष्टिकोण, अनुभव और ज्ञान को पहचानने और मान देने का माहौल हर घर में बनाना होगा। इस ओर बढ़ा पहला कदम वरिष्ठजनों की सलाह–समझाने को मानने–सुनने से ही जुड़ा है। यह स्थिति स्वयं नयी पीढ़ी के भी मन–जीवन को भी सार्थक दिशा देने वाली साबित होगी।

सहजता का भाव

'लेट गो, छोड़ो, जाने दो या भूल जाओ' यह सलाह बड़ों की बातों में अवश्य शामिल होती है। असल में जीवन भर की उलझनों में अपनी ऊर्जा और समय लगा चुके बुजुर्ग इस सच को समझ चुके होते हैं कि अपने आप के प्रति भी सहजता का भाव जरूरी है। मन दुखाने वाली बातों को पकड़कर बैठ जाना असल में खुद को ही दुख देता है। ऐसी चीजों को जाने देना ही सही है। इसीलिए बड़े हमेशा समझाते हैं कि ग्रजेज यानी गिले–शिकवे को मत पकड़ो। मन में पलता द्वेष या शिकायतें, आज ही नहीं आने वाले कल में भी खुद को ही चोट पहुंचाते हैं। समय और स्थिति बादल जाती है पर मन में दबा दुख, आक्रोश या दुर्भाव सदा के लिए ठिकाना बना लेता है। बड़े–बुजुर्ग उम्र के एक पड़ाव पर पहुंचने के बाद याद करते हुए कहते ही हैं कि 'मुझे यह नहीं करना था' या 'किसी अपने से दूर नहीं होना था'। पीछे छुटे जीवन की जो बातें, निर्णय या शब्द उनके लिए आज अपराधबोध का कारण बन रही हों, वे उनसे बचने की समझ का पाठ जरूर पढ़ाते हैं। इसी के चलते हर हाल में सहज रहने की सलाह देना नहीं भूलते।

खुलकर जीने की सलाह

जिंदगी की आपाधापी में जीना ही भूल जाने की गलती करने वाले बुजुर्ग खुलकर जीने की सलाह भी देते हैं। अच्छा–बुरा वक्त जीवनभर दस्तक देता रहता है। लोग मिलते–बिछुड़ते हैं। जिम्मेदारियां भी निभानी ही होती हैं। ऐसे में सारा वक्त फिक्र करने में नहीं लगाया जा सकता है। डरकर जिंदगी नहीं जी जा सकती। हमारे बड़ों ने बहुत से हालातों से गुजरने के बाद यही समझा होता है कि बात–बात में भयभीत होने का कोई अर्थ नहीं। जीवन की अपनी गति है। उसके साथ सहजता से चलते रहना ही सही है। बुजुर्ग सामाजिक–पारिवारिक माहौल से जुड़ने की सलाह भी देते हैं। भारतीय समाज में तो घर बसाने के मामले में बुजुर्गों की राय आज भी अहम मानी जाती है। बड़े भी अपने अनुभवों से सावधानी के साथ अपना जीवन साथी चुनने की ना केवल सलाह देते बल्कि चुनाव में मदद भी करते हैं। जिसके साथ जीवन बिताना हो, उसके बारे में व्यावहारिक धरातल पर सब कुछ जानने–समझने की बात कहते हैं।

स्वास्थ्य सहेजने का सुझाव

अपने शरीर की देखभाल करने का सुझाव बड़े बहुत गंभीरता से देते हैं। सेहत सहेजने के लिए समय रहते सजग होने का पाठ पढ़ाते हैं। अपने स्वास्थ्य की संभाल को लेकर की गई अनदेखी या किसी गलती का उदाहरण भी देते रहते हैं। ताकि नई पीढ़ी बीमारी के बारे देर से जानने या सही समय पर अवेयर न होने की गलती न करे। इसीलिए सक्रिय रहने, बुरी आदतों से बचने और नियमित जांच करवाने की सलाह बड़े–बुजुर्ग देते हैं। छोटी सी गलती का खामियाजा कितना बड़ा हो सकता है, वे देख–जी चुके होते हैं। इसीलिए नई पीढ़ी को हेल्थ का ख्याल रखने से जुड़ी परंपरागत जानकारी देते रहते हैं। इसीलिए समय निकालकर अपने बड़ों के पास बैठें। उनकी बातें सुनना जीवन के भरे–पूरे खजाने को खंगालने जैसा है। इसी खजाने से आपको जीवन जीने का सलीका सिखाने वाली सलाहों के अनमोल मोती मिलेंगे।

घरेलू फेस पैक बढ़ाएं चेहरे का नूर

चेहरे की त्वचा का स्वास्थ्य और चमक बढ़ाने के लिए बाजार में ढेरों कॉस्मेटिक प्रोडक्ट उपलब्ध हैं लेकिन घर में मौजूद प्राकृतिक उत्पादों के इस्तेमाल से भी चेहरा खिला–खिला रहता है। वहीं इनसे त्वचा पर कोई साइड इफेक्ट भी नहीं होगा। चेहरे पर नूर लाने के लिए नींबू–शहद, हल्दी–दूध व एलोवेरा जेल–खीरे का रस से तैयार सौंदर्य उत्पाद खास तौर पर उपयोगी हैं। यदि आपका चेहरा पहले की तरह उतना खिला–खिला सा नहीं नजर आ रहा है तो ऐसे में आपकी त्वचा को सही देखभाल की आवश्यकता है। क्योंकि त्वचा तभी रूखी और बेजान नजर आने लगती है जब हम उसकी सही से केयर नहीं करते हैं। आजकल मार्केट में त्वचा को स्वस्थ व आकर्षक बनाए रखने के लिए ढेरों प्रोडक्ट आते हैं। लेकिन उससे बेहतर ऑप्शन है कि आप घरेलू उत्पादों का इस्तेमाल करें। इससे त्वचा पर कोई साइड इफेक्ट भी नहीं होगा और आपकी त्वचा चमकदार और पोषण से भरपूर नजर आएगी। जानिए घर पर इन फेस पैक को कैसे तैयार करें –

नींबू और शहद का असर

फेस पैक में सबसे बढ़िया विकल्प है कि आप नींबू और शहद का फेस पैक बनाकर चेहरे पर लगाएं। इसको लगाने से चेहरे की त्वचा की सफाई भी अच्छी तरह हो जाएगी। साथ ही शहद आपके मुंह की त्वचा को चमकदार भी बना देगा। इसके लिए आप सबसे पहले एक कटोरी लें जिसमें एक चम्मच शहद डालें और उसमें कुछ बूंदें नींबू की डालें। फिर इसे अच्छी तरह मिलाकर अपने चेहरे पर 10 से 15 मिनट तक लगा कर मुंह अच्छी तरह धो दें। आपकी त्वचा खिली–खिली नजर आएगी।

हल्दी और दूध के मिश्रण से

हल्दी त्वचा के लिए बेहद फायदेमंद होती है। यदि आपकी स्किन पर कोई दिक्कतें मौजूद हैं तो हल्दी उन्हें ठीक करके त्वचा को क्लीन बनाती है। यदि दूध की बात की जाए तो कच्चा दूध नियमित रूप से लगाने से त्वचा चमकदार बन जाती है। बता दें कि जब इन दोनों का पैक तैयार करना हो तो इसके लिए आप एक कटोरी में एक चौथाई चम्मच हल्दी का लें और उसमें दूध मिला लें। फिर इस पैक को अच्छी तरह मिलाकर चेहरे पर 15 से 20 मिनट लगाकर छोड़ दें। इसके बाद चेहरे को धो दें।

बेसन और दही को मिलाकर

चेहरे को चमकदार बनाने के लिए जरूरी है कि आप वहां की त्वचा की सही तरह से देखभाल करें। इसके लिए घर के उत्पादों का भी आप इस्तेमाल कर सकती हैं। बेसन और दही का फेस पैक बनाने के लिए आप सबसे पहले बेसन का एक चम्मच लें। फिर उसमें दो चम्मच दही के मिला लें। इस पैक को आप चेहरे पर 10 से 15 मिनट के लिए लगाकर रखें, जब तक कि पैक सूख नहीं जाए। फिर अपना मुंह धो लें। इसके बाद आपकी त्वचा साफ सुथरी और चमकदार नजर आएगी। यह पैक त्वचा को एक्सफोलिएट करने और चमकदार बनाने में खास तौर पर मदद करता है।

एलोवेरा जेल और खीरे का रस

एलोवेरा चाहे आप चेहरे पर लगाएं या फिर बालों की त्वचा पर, आपकी त्वचा शाइन करने लगती है। साथ ही त्वचा पर से खुश्की खत्म हो जाती है। इससे चेहरे की त्वचा को एक मुलायम और चमकदार लुक मिलता है। इस पैक को बनाने के लिए एलोवेरा जेल और खीरे के रस को मिलाकर एक स्मूथ पेस्ट बना लें। इसे अपने चेहरे पर लगाएं और करीब 20 मिनट बाद धो लें। यह पैक त्वचा को मॉइश्चराइज करने और चमकदार बनाने में मदद करता है।

उत्तर प्रदेश में दुग्ध उत्पादन बढ़ाने पर जोर, वन ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी में होगा योगदान : धर्मपाल सिंह

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह ने कहा है कि प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने में दुग्ध विभाग की महत्वपूर्ण भूमिका होगी, इसलिए दुग्ध उत्पादन में वृद्धि करना आवश्यक है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के लिए प्रदेश में दुग्ध समितियों की संख्या लगातार बढ़ाई जाए और निष्क्रिय समितियों को क्रियाशील किया जाए। साथ ही उन्होंने कहा कि वर्तमान में संचालित समितियां किसी भी कारण से बंद न हों।मंत्री ने कहा कि किसानों और पशुपालकों को दुग्ध व्यवसाय के लिए प्रोत्साहित और प्रशिक्षित किया जाए, उन्हें नई

तकनीकों और जानकारियों से अवगत कराया जाए, ताकि दुग्ध उत्पादन में वृद्धि हो सके। इसके साथ ही उन्होंने निर्देश दिए कि प्रदेश के महत्वपूर्ण और सार्वजनिक स्थानों पर पराग बूथ स्थापित किए जाएं और दूध, दही, लड्डू, मक्खन जैसे शुद्ध, स्वादिष्ट और पौष्टिक उत्पादों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए।बैठक में दुग्ध विकास मंत्री ने दुग्ध समितियों के गठन और पुनर्गठन, डेयरी प्लांट की उपयोगिता क्षमता, दुग्ध उपार्जन, तरल दुग्ध बिक्री बकाया और दुग्ध मूल्य भुगतान की स्थिति का गहन मूल्यांकन किया। उन्होंने बताया कि वर्तमान वित्तीय वर्ष में जुलाई 2025 तक 7,504 समितियां कार्यरत हैं। जिला योजना के तहत 220 समिति गठन लक्ष्य में से 190 का गठन पूर्ण हुआ है और 450 समिति पुनर्गठन लक्ष्य में से 285 पूर्ण हुए हैं। नन्द बाबा दुग्ध मिशन के तहत 2,250 समिति गठन लक्ष्य में से 1,307 गठन किए गए हैं।दुग्ध उपार्जन और बिक्री की स्थिति का जिक्र करते हुए मंत्री ने बताया कि औसत दुग्ध उपार्जन प्रतिदिन 3.71 लाख लीटर प्रति दिन (एलकेजीपीडी) रहा, जो गत वर्ष की तुलना में 51 प्रतिशत अधिक है। वहीं औसत तरल दुग्ध बिक्री प्रतिदिन 2.05 लाख लीटर रही, जिसमें 14 प्रतिशत की वृद्धि हुई।बैठक में दुग्ध विकास विभाग के प्रमुख सचिव अमित कुमार घोष ने कहा कि मंत्री के दिशा–निर्देशों का पालन सुनिश्चित किया जाएगा।

सेना के फायरिंग रेंज में अवैध कब्जे पर हाईकोर्ट सख्त

लखनऊ, (संवाददाता)। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने राजधानी लखनऊ में अर्जुनगंज स्थित सेना के फायरिंग रेंज की जमीनों पर बाहरी लोगों द्वारा अवैध रूप से कब्जा करने के मामले का संज्ञान लिया है। कोर्ट ने मामले में एलडीए व आवास विकास परिषद को इलाके में कथित अतिक्रमण का सर्वे करने करने का आदेश दिया है। ताकि, इस अतिक्रमण की जिम्मेदारी तय हो सके। कोर्ट ने कहा कि मामले में नियुक्त न्यायमित्र अधिवक्ता ने बताया है कि सेना के अधिकारियों द्वारा अतिक्रमण रोकने के बार–बार अनुरोध के बावजूद राज्य सरकार व एलडीए के अधिकारी अपने आंख व कान बंद किए रहे, जिससे कब्जा होता रहा। इसका नतीजा

यह हुआ कि अब सेना वहां लॉन्ग रेंज फायरिंग प्रैक्टिस नहीं कर सकती और अब सिर्फ शॉर्ट रेंज फायरिंग प्रैक्टिस ही की जा सकती है। कोर्ट ने मामले को अगली सुनवायी के लिए सितम्बर के पहले सप्ताह में सूचीबद्ध करने का आदेश दिया है। न्यायमूर्ति राजन रॉय व न्यायमूर्ति मंजीव शुक्ल की खंडपीठ ने यह आदेश ब्रिगेडियर त्रिवेणी प्रसाद की वर्ष 2011 में दाखिल जनहित याचिका पर दिया है। याचिका में सेना की फायरिंग रेंज की जमीनों पर अवैध कब्जे का मुद्दा उठाया गया है। कोर्ट ने मामले में एलडीए समेत आवास विकास परिषद को जनहित याचिका में पक्षकार बनाने के भी आदेश दिए हैं। कोर्ट के संज्ञान में यह भी आया कि इस फायरिंग रेंज की अधिसूचना वर्ष 1977 में जारी हुई थी, जो, समय–समय पर बढ़ती रही। अब, सितंबर 2025 में यह समाप्त हो रही है। हालांकि, केंद्र सरकार के वकील ने कोर्ट को बताया कि अधिसूचना का कार्यकाल बढ़ाए जाने का अनुरोध राज्य सरकार से किया जा चुका है। इस पर कोर्ट ने सरकार को जल्द निर्णय लेकर अवगत कराने का आदेश दिया है। कोर्ट ने यह भी चेताया है कि हम इस मामले में अतिक्रमण होने की जिम्मेदारी भी तय करेंगे। वहीं सेना की ओर से कहा गया कि अर्जुनगंज फायरिंग रेंज की उसे आवश्यकता है और सेना इस समस्या का हल चाहती है।

राम मंदिर की फसाड लाइटिंग पर खर्च होंगे 10 करोड़, कई कंपनियों ने दिया प्रजेंटेशन

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी के अयोध्या में राम मंदिर निर्माण कार्य के प्रगति की समीक्षा बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। यह जानकारी राम मंदिर भवन

निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने दी। उन्होंने बताया कि मंदिर के लोअर प्लिंथ में लगने वाले 90 स्यूरल्स में से 85 तैयार होकर अयोध्या पहुंच चुके हैं। वहीं, थ्री डी मूर्तियों के निर्माण में तकरीबन 15 से 30 दिन की देरी दर्ज की गई है। इस पर बैठक में विस्तार से चर्चा हुई। निर्माण स्थल पर लगाए गए पांच टाइम–लैप्स कैमरों से जो पूरी निर्माण यात्रा रिकॉर्ड हो रही है, उसे इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स घोषित किया गया है। यह अधिकार शर्तनामा के साथ सेंट्रल बिल्डिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट, रुड़की को सौंपे जाएंगे। ताकि, इस सामग्री का उपयोग शिक्षा–प्रशिक्षण और पांच वर्षों की इस ऐतिहासिक यात्रा पर डॉक्यूमेंट्री तैयार करने में किया जा सके। इसमें खुदाई, सॉइल टेस्ट से लेकर प्रस्तावों और चरणबद्ध निर्माण तक की पूरी कहानी दर्ज होगी।

अक्टूबर के अंत तक अधिकांश कार्य पूरे हो जाएंगे

समीक्षा के दौरान अस्थायी मंदिर स्मारक और शहीदों की स्मृति में लगाए गए ग्रेनाइट पिलर्स के स्वरूप पर भी विस्तार से विचार किया गया। ट्रस्ट का स्पष्ट मत है कि मंदिर की पवित्रता और मूल स्वरूप पर किसी भी प्रकार का प्रभाव नहीं पड़ना चाहिए। निर्माण कार्य की रफ्तार को देखते हुए अनुमान है कि अक्टूबर के अंत तक अधिकांश कार्य पूरे हो जाएंगे।

आठ से 10 करोड़ रुपये का खर्च आने का अनुमान

वहीं, दिसंबर 2025 तक शेष कार्य भी लक्ष्य के अनुसार पूर्ण कर लेने का विश्वास जताया गया। इसी कड़ी में मंगलवार की सुबह 9:30 बजे तीन कंपनियों की ओर से फसाड लाइटिंग का डेमोस्ट्रेशन किया गया। इसमें हाइब्रिड मॉडल, प्रोजेक्टर और लीनियर लाइटिंग जैसे विकल्प प्रस्तुत किए गए। अंतिम चयन के बाद इस पूरी व्यवस्था पर लगभग आठ से 10 करोड़ रुपये का खर्च आने का अनुमान है।

बैंकों में बिना दावे के पड़े हैं 7200 करोड़ से ज्यादा, आरबीआई ने लोगों को जागरूक कर रकम लौटाने के दिए निर्देश

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के बैंकों में 7200 करोड़ रुपये ऐसे पड़े हैं जिनका कोई दावेदार नहीं है। ये रकम रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के पास चली गई है। यदि कोई दावेदार सामने आता है तो उसे निर्धारित प्रक्रिया पूरी करने पर धन वापस मिल जाएगा। इसके लिए जागरुकता अभियान शुरू किया गया है।

ज्यादातर खाते ऐसे हैं जिनके खाताधारकों की मृत्यु हो गई है। बड़ी संख्या में ऐसे खाते हैं जो परिजनों को जानकारी दिए बगैर खुलवाए गए थे। उनके दिवंगत होने पर ये लावारिस हो गए। लाखों ऐसे खाते हैं जिनमें कोई नामिनी नहीं है। ज्यादातर खाते ऐसे भी हैं जिनके परिजनों को बैंकिंग नियमों की जानकारी न होने से धन निकासी नहीं हो सकी। इन खातों से लेनदेन न होने से इन्हें निष्क्रिय घोषित कर दिया गया है। 10 वर्ष या इससे ज्यादा से बिना दावे की इस रकम को बैंकों ने आरबीआई को भेज दिया है।

लोगों को जागरूक कर रकम लौटाने के निर्देश

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने इन डेफ (डिपाजिटर एजुकेशन एंड अवेयरनेस फंड) खातों के खाताधारकों या उनके परिजनों को जागरूक करने के निर्देश दिए हैं। ताकि खाताधारकों से आवेदन लिया जा सके। साथ ही नो योर कस्टमर (केवाईसी) की प्रक्रिया पूरी कर खातों को फिर से सक्रिय किया जा सके।

तीन महीने का जागरुकता कार्यक्रम शुरू

इसके लिए प्रदेश में तीन महीने का जागरुकता कार्यक्रम शुरू किया गया है। गांवों में जागरुकता कैंप लगाए जा रहे हैं। निष्क्रिय खातों पर यदि कोई दावा करता है तो बैंक आवेदन लेकर उनका केवाईसी अपडेट करेंगे। इसके बाद बैंक आरबीआई से इन खातों को फिर सक्रिय करने का अनुरोध करेंगे। इसके बाद कानूनी वारिशों को ये रकम मिल सकेगी।

अभ्यर्थियों ने घेरा डिप्टी सीएम का आवास, जमकर की नारेबाजी

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में मंगलवार को 69 हजार शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थियों ने डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य का आवास घेरकर नारेबाजी की। सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई न होने से अभ्यर्थी नाराज हैं। इसको लेकर वह डिप्टी सीएम के आवास के सामने धरने पर बैठ गए। मौके पर भारी पुलिस बल तैनात है। इस दौरान अभ्यर्थी श्केशव चाचा न्याय करो...श जैसे नारे लगाते रहे। प्रदर्शन करने वाले अभ्यर्थियों ने

कहा कि 69 हजार शिक्षक भर्ती में अनियमितता हुई है। इस कारण आरक्षित वर्ग के हजारों अभ्यर्थी नौकरी पाने से वंचित रह गए। मामले की हाईकोर्ट में लंबी सुनवाई हुई। फैसला उनके पक्ष में आया। लेकिन, सरकार की लापरवाही के कारण उसका पालन नहीं हो सका। अब मामला सुप्रीम कोर्ट में है। सरकार सुप्रीम कोर्ट में भी पक्ष रखने से पीछे हट रही है।

संक्षिप्त खबरें

होटल संचालक की पिटाई से घायल युवक की मौत, ग्रामीणों ने शव रखकर सड़क की जाम

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी के बाराबंकी में होटल संचालक की पिटाई से घायल युवक की मौत से परिजन और ग्रामीण आक्रोशित हो उठे। उन्होंने मंगलवार की सुबह शव रखकर सड़क जाम कर दी। होटल में तोड़फोड़ भी की। सूचना पर कई थानों की पुलिस मौके पर पहुंची। बात नहीं बनी तो सीओ भी पहुंचे। सीओ ने कार्रवाई का आश्वासन दिया तब हंगामा कर रहे लोग मानें। पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है। घटना टिकैतनगर थाना क्षेत्र के कंचनपुर चौराहे पर 14 अगस्त की है। यहां दरियाबाद थाना क्षेत्र के ननिहापुर निवासी संदीप (25) एक होटल में समोसा लेने आया था। पैसों के लेनदेन को लेकर होटल मालिक बाबूलाल निवासी बघौली से उसका विवाद हो गया। आरोप है कि होटल संचालक ने लोहे की सरिया से संदीप की बेरहमी से पिटाई की। इससे उसकी पीठ की हड्डियां टूट गईं। शरीर पर गंभीर चोटें आईं।

ग्रामीणों ने शव रखकर दरियाबाद–टिकैतनगर मार्ग किया जाम खबर मिली तो परिजन भागकर पहुंचे। वह घायल संदीप को पहले दरियाबाद और फिर टिकैतनगर थाने लेकर पहुंचे। वहां पर तहरीर दी। लेकिन, पुलिस ने कार्रवाई नहीं की। उधर, संदीप को एक प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहां इलाज के दौरान सोमवार की रात उसकी मौत हो गई। इससे परिजनों में आक्रोश फैल गया। सुबह आक्रोशित परिजनों और ग्रामीणों ने कंचनपुर के पास शव रखकर दरियाबाद–टिकैतनगर मार्ग जाम कर दिया।

सीओ के आश्वासन पर हंगामा कर रहे लोग शांत हुए

गुस्साई भीड़ ने होटल में तोड़फोड़ भी की। सूचना पर दरियाबाद, टिकैतनगर और बदोसराय पुलिस मौके पर पहुंची। हालात बिगड़ते देख सीओ भी मौके पर पहुंचे। सीओ के आश्वासन पर हंगामा कर रहे लोग शांत हुए। इसके बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। आगे की कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस सुरक्षा में बाढ़ग्रस्त गांव के स्कूली बच्चों का आवागमन

लखनऊ, (संवाददाता)। सोमवार को स्कूल खुले तो बाढ ग्रस्त गांव के स्कूली बच्चों का आवागमन शुरू हो गया है। इटौंजा और सैदापुर के निजी स्कूलों में पढ़ने वाले इन बच्चों को स्कूल जाने और वापसी के लिए दो नावें और बढाई गई हैं। पुलिस और प्रशासन की टीम के सहयोग से इन स्कूली बच्चों को सुरछित तरीके से गांवों को भेजा गया। बाढ प्रभावित लासा, बहादुरपुर, सुल्तानपुर और इकडरिया कला में गोमती के पानी स्तर घट–बढ़ रहा है। ग्रामीणों को यह देख बाढ़ आने आशंका बनी हुई है। पूर्व माध्यमिक इकडरिया कला के बच्चों को पहले ही लासा प्राथमिक विधालय शिफ्ट कर दिया गया था, जिसमें बाढ का पानी भरने के बाद उसे बंद कर दिया गया है। इसलिए सरकारी स्कूल के इन बच्चों को इंतजार है कि कब उनका स्कूल खुले। वहीं निजी स्कूल सोमवार को कई दिनों की छुट्टी के बाद खुल गए। जिनका नावों के माध्यम से आवागमन हो रहा है। सुमंगला, चारुमित्रा, एस पब्लिक इंटर कॉलेज सैदापुर के इंटर तक के बच्चे इन नावों का सहारा ले रहे है।

नगर निगम जोन एक को बनाया जाएगा आदर्श जोन

लखनऊ, (संवाददाता)। नगर निगम जोन एक में आने वाले वार्डों के कामकाज की सोमवार शाम महापौर सुषमा खर्कवाल ने

समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने कहा कि जोन एक को आदर्श जोन के रूप में विकसित किया जाए। वार्ड स्तर पर नियमित रूप से सफाई हो और गंदगी फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। इस दौरान नगर आयुक्त गौरव कुमार और जोन में आने वाले वार्डों के पार्षद प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

बैठक में महापौर ने गृहकर वसूली की समीक्षा की और उसे बढ़ाने के निर्देश दिए। कहा कि टैक्स वसूली नगर निगम की रीढ़ है और इसके माध्यम से ही शहर के विकास कार्य सुचारू रूप से संचालित किए जा सकते हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि टैक्स जमा करने में लापरवाही बरतने वाले संपत्ति स्वामियों के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई की जाए। अभियंत्रण विभाग से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करते हुए महापौर ने कहा कि सड़क निर्माण, मरम्मत और मार्ग प्रकाश व्यवस्था को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाए। उन्होंने यह भी कहा किअतिक्रमण और अव्यावस्थित दुकानों के कारण यातायात बाधित होता है, इसलिए इस दिशा में ठोस कदम उठाया जाए। पेयजल और सीवर व्यवस्था की समीक्षा करते हुए महापौर ने कहा कि नालियों की समय–समय पर सफाई सुनिश्चित हो और जलभराव की समस्या पर प्रभावी नियंत्रण किया जाए।

सड़क हादसों में घायल तीन लोगों ने तोड़ा दम

लखनऊ, (संवाददाता)। सड़क हादसों में घायल तीन लोगों ने सोमवार को दम तोड़ दिया। हादसे बाजारखाला, माल और सुशांत गोल्फ सिटी इलाके में हुए थे। माल–भरावन मार्ग पर शुक्रवार सुबह सालेहनगर नौबस्ता के पास डीसीएम ने बाइक सवार मैकू और उनकी पत्नी मीरा को टक्कर मार दी थी। हादसे में मैकू की मौत हो गई थी, जबकि मीरा गंभीर रूप से घायल हो गई थीं। मीरा को गंभीर अवस्था में ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया था। बेटे जितेंद्र ने बताया कि सोमवार दोपहर में उनकी मां ने दम तोड़ दिया। जितेंद्र के मुताबिक 13 अगस्त को उनके मकान का पिछला हिस्सा बरसात के चलते भरभरा कर गिर गया था। हादसे में जितेंद्र और मीरा बाल बाल बच गए थे। तब से परिवार एक ही कमरे में रह रहा था। मीरा की दो बेटियां हैं, जिनकी शादी हो चुकी है। उधर, सुशांत गोल्फ सिटी इलाके में कार की टक्कर से घायल सीतापुर के रामपुर निवासी राम लखन (33) की इलाज के दौरान मौत हो गई। राम लखन पारा थाने के पास किराए के मकान में रहकर अनाज बेचने का काम करते थे। पिता लालू ने बताया कि उनका बेटा कुछ दिन पहले सीतापुर गया था। 14 अगस्त को बाइक से लखनऊ लौटते समय सुशांत गोल्फ सिटी इलाके में रात नौ बजे पारा जाते समय प्लासियो मॉल के पास एक तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी थी। हादसे में राम लखन गंभीर रूप से घायल हो गए थे। कार चालक ने राम लखन को एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया था, जहां इलाज के दौरान सोमवार को उनकी मौत हो गई। राम लखन के परिवार में पत्नी रेखा, दो बेटे और एक बेटी है। वहीं, बाजारखाला इलाके में रक्षाबंधन के दिन सड़क हादसे में घायल मो. अरमान की इलाज के दौरान सोमवार को मौत हो गई। पिता मो. अहमद ने बताया कि अरमान एसी मैकेनिक था। रक्षाबंधन के दिन अरमान ऐशबाग काम से गया था। इसी दौरान हादसे में घायल हो गया था। शनिवार की देर रात स्कार्पियो चालक ने लापरवाही से तेलीबाग इलाके में आठ लोगों को टक्कर मार दी थी। इसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई थी, जिसकी पहचान सोमवार को नेपाल के बंदीपुर तनऊ निवासी गम बहादुर (35) के रूप में हुई। वह तेलीबाग में किराए के मकान में रहकर आलमबाग के एक रेस्टोरेंट में काम करते थे। चाचा दुर्गा बहादुर ने बताया कि उन्हें तेलीबाग में रह रहे पारिवारिक मित्र सुख बहादुर ने भतीजे गम बहादुर की सड़क हादसे में मौत की सूचना दी। उन्होंने रविवार देर रात शव की शिनाख्त की। गम बहादुर के परिवार में पत्नी नंदा माया और दो बेटे हैं।

तीन दिन की छुट्टी बाद खुले अस्पताल, उमड़ी भीड़

लखनऊ, (संवाददाता)। तीन दिन की छुट्टी के बाद सोमवार को राजधानी के बड़े अस्पतालों में मरीजों का भीड़ उमड़ पड़ी। ओपीडी में सुबह से लंबी कतारें लगी रहीं और इलाज के लिए मरीजों को घंटों इंतजार करना पड़ा। हालत ये रही कि बढ़ती भीड़ और अव्यवस्था से अस्पताल परिसरों में जाम की स्थिति भी बन गई। कई जगह एंबुलेंस तक फंस गईं, जिससे मरीजों और तीमारदारों की परेशानी और बढ़ गई। बलरामपुर अस्पताल से लेकर सिविल, लोकबंधु, लोहिया और केजीएमयू तक सोमवार को हालात बिगड़ गए। अकेले बलरामपुर अस्पताल में पांच हजार से अधिक मरीज पहुंचे, वहीं सिविल में 3500 और लोकबंधु में तीन हजार से ज्यादा मरीजों का इलाज हुआ। लोहिया में 900 से ज्यादा मरीज आए। ठाकुरगंज टीबी, आरएलबी, बीआरडी महानगर सहित छोटे अस्पतालों में भीड़ सामान्य से कई गुना ज्यादा रही। इलाज के लिए मरीजों को तीन से चार घंटे इंतजार करना पड़ा। अस्पताल प्रशासन का कहना है कि छुट्टियों के बाद एक साथ मरीजों के आने से दिक्कत हुई। ओपीडी और इमरजेंसी दोनों जगह भीड़ संभालना मुश्किल हो गया। फिलहाल पुलिस और सुरक्षाकर्मियों की मदद से हालात काबू में किए गए, लेकिन व्यवस्था को और दुरुस्त करने की योजना बनाई जा रही है।

केजीएमयू की ओपीडी में पहुंचे साढ़े नौ हजार मरीज

किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय की ओपीडी में सोमवार को करीब साढ़े नौ हजार मरीज पहुंचे। सामान्य रूप से संस्थान में करीब साढ़े छह से सात हजार मरीज ही आते हैं। स्वतंत्रता दिवस, जन्माष्टमी और रविवार की छुट्टी के बाद सोमवार को केजीएमयू में तीन दिन बाद ओपीडी खुली थी। इससे सुबह पांच बजे से ही मरीज और तीमारदारों ने ओपीडी के पंजीकरण के लिए लाइन लगानी शुरू कर दी थी। सुबह आठ बजते–बजते ओपीडी भवन से मुख्य गेट तक मरीज और उनके तीमारदारों की लंबी लाइन लग गई। इसके बाद पंजीकरण के लिए दोबारा लाइन लगानी पड़ी। लाइन लगाने का सिलसिला यहीं नहीं रुका। डॉक्टर के कमरे के बाहर इंतजार करना हो या फिर जांच के लिए फीस रसीद कटवाना, मरीज और उनके तीमारदारों को हर जगह लाइन लगानी पड़ी। भीड़ इतनी ज्यादा थी कि धक्का–मुक्की की स्थिति पैदा हो गई। भीड़ देखकर गार्डों की भी हालत खराब हो गई। इस दौरान सर्वर डाउन होने की वजह से मरीजों की दिक्कतें और भी बढ़ गईं। करीब 12 बजे डाउन हुआ सर्वर दोबारा साढ़े 12 बजे के करीब सामान्य हुआ। केजीएमयू प्रवक्ता प्रो. केके सिंह के मुताबिक सोमवार की ओपीडी में 9,464 मरीजों का पंजीकरण हुआ। शाम पांच बजे तक ओपीडी चलाकर सभी को परामर्श दिया गया। लोहिया संस्थान में भी मरीजों की संख्या बढ़ी रही। सामान्य रूप से यहां तीन हजार से 3200 मरीज देखे जाते हैं, लेकिन सोमवार को यह संख्या 4211 तक पहुंच गई। संस्थान के प्रवक्ता डॉ. भुवन चंद्र तिवारी ने बताया कि सभी मरीजों को इलाज मुहैया कराया गया। किसी भी मरीज को वापस नहीं लौटना पड़ा।

बलरामपुर अस्पताल की इमरजेंसी तक लगा जाम

बलरामपुर अस्पताल की इमरजेंसी तक जाम लगा रहा। मेन गेट से सीएमओ ऑफिस तक वाहनों की लाइन लगी। कई एंबुलेंस घंटों फंसी रहीं, इससे मरीजों को अंदर तक पहुंचने में परेशानी हुई। गाड़ियों के रेंग–रेंगकर चलने से इमरजेंसी चोक हो गई। कई मरीज एंबुलेंस में पड़े तड़पते रहे। वजीरगंज के नफीस ने बताया कि वह अपने मरीज को लेकर बलरामपुर अस्पताल की इमरजेंसी ई रिक्शे से जा रहे थे। क्रिश्चियन कॉलेज चौराहे से अस्पताल की इमरजेंसी तक करीब 300 मीटर दूर तय करने में करीब पौन घंटे लग गए।

केजीएमयू कैंपस में भी वाहनों की लंबी कतारें

प्रदेश के सबसे बड़ा चिकित्सा संस्थान सोमवार को वाहनों की बाज से पूरी जाम हो गया। वाहनों की संख्या इतनी ज्यादा हो गई कि लोगों का पैदल निकलना भी मुश्किल हो गया। ऐसे में मरीज और तीमारदारों को काफी समस्या हुई। यहां रोजाना करीब सात हजार मरीज ओपीडी में आते हैं। सप्ताह का पहला दिन होनेसे सोमवार को यह संख्या और भी ज्यादा रहती है। स्वतंत्रता दिवस, जन्माष्टमी और रविवार की छुट्टी की वजह से तीन के बाद संस्थान खुला था। इसलिए ओपीडी में भीड़ कुछ ज्यादा ही थी। इसके चलते सोमवार को परिसर में वाहनों की लंबी कतार लग गई। काफी मशक्कत के बाद जाम छूटा। यह भी बताया जा रहा था कि कैंपस के बाहर मुख्य मार्ग पर जाम होने से लोग परिसर के भीतर होकर जाने लगे। उससे भी जाम की स्थिति बनी। केजीएमयू प्रवक्ता प्रो. केके सिंह का कहना था कि मरीजों की संख्या ज्यादा होने की वजह से ऐसी स्थिति बनी। इसे व्यवस्थित करने के लिए योजना बनाई जा रही है।

अतिक्रमण कारियो के गिरफ्त मे शहर के प्रमुख मार्ग व चौराहा

अयोध्या।श हर इस समय पूरी तरह से अतिक्रमण कारियों के मकर जाल में जकड़ चुका है।जिसके चलते इधर से गुजरने वाले राहगीरों के साथ–साथ अन्य वाहन चालक, छात्र–छात्राएं, मरीजों के अलावा अन्य राहगीर घंटो इन अतिक्रमण कारियों के द्वारा किए गए जाम में फंसे रहते हैं।सबसे अधिक विकट स्थिति उस समय उत्पन्न हो जाती है कि जब दोपहर करीब 2रू00 बजे स्कूलों मे छुट्टी होती है।इस दौरान स्कूल के बस इधर से गुजरते हैं तो लोगों का निकलना दूबर हो जाता है।हालात तो यहां तक बदतर है कि मुख्य मार्गो को छोड़िए शहर के गलियों मे भी जाम की स्थिति काफी घंटे तक बनी रहती है।कोतवाली नगर क्षेत्र के रीडगंज तिराहा, लालबाग, गुदरी बाजार,चौक, जिला महिला चिकित्सालय,रिकाबगंज चौराहा,फतेहगंज मकबरा,नाका बाईपास,देवकाली बाईपास,रेलवे स्टेशन के सामने बेनीगंज तिराहा सहित कई प्रमुख चौराहे व मार्गों पर स्कूली बसों के अलावा ई–रिक्शा, टेंपो के साथ–साथ घंटो फंसे दिखाई देते हैं।जिसका मुख्य कारण शहर के प्रमुख मार्गो तथा चौराहों पर अतिक्रमण कारियो द्वारा दुकानों के सामने फुटपाथ पर ठेला लगाना प्रमुख रूप से है।दबे जुबान लोग बताते भी हैं इन मार्गो पर रहने वाले भवन स्वामी अपने–अपने घरों के सामने इन ठेलों को चंद रुपए लेकर लगवाते हैं।जिससे कि अतिक्रमण की स्थिति उत्पन्न होती है।ऐसा भी इससे पहले भी हुआ था। उसे समय सीओ सिटी रहे प्लास बंसल तथा एसपी सिटी रहे विजयपाल सिंह के समय इन अतिक्रमण कारियों के खिलाफ अभियान चलाया गया था तब कुछ लोगों ने इससे राहत महसूस किया था।उसके बाद से अब तक इन अतिक्रमणकारियों के खिलाफ प्रशासन द्वारा शिकंजा नही कसा गया।जबकि पहले यह अभियान नगर निगम, विकास प्राधिकरण, यातायात विभाग व पुलिस विभाग द्वारा संयुक्त रूप से चलाया जाता था।इस संबंध में नगर कोतवाल अश्वनी पांडे ने बताया कि शीघ ही शहर में अतिक्रमण करने वाले अतिक्रमण कारियों के खिलाफ अभियान चलाया जाएगा।अगर जो भी फुटपाथ के पास दुकान लगाते अतिक्रमण करते पाया गया तो उनके खिलाफ विधिक कार्यवाही की जाएगी।

सीपीआर आकस्मिक हृदयाघात में जीवन रक्षक - डॉ शिव शक्ति

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में हृदयाघात से होने वाली आकस्मिक मृत्यु दर को कम करने के उद्देश्य से सीपीआर (कार्डियो पल्मोनरी रिससिटेशन) प्रशिक्षण कार्यशाला का सोमवार को आयोजन किया गया। यह कार्यशाला अधिष्ठाता छात्र कल्याण कार्यालय एवं मनोविज्ञान विभाग के संयुक्त तत्वावधान में सोमवार को विश्वविद्यालय के आर्यभट्ट सभागार में सम्पन्न हुई।

कार्यक्रम के मुख्य प्रशिक्षक और वाराणसी के राजकीय चिकित्सा अधिकारी डॉ. शिवशक्ति प्रसाद द्विवेदी ने मानव शरीर की डमी पर सीपीआर की लाइव डेमो देकर बताया कि कैसे अचानक हृदयगति रुकने (कार्डियक अरेस्ट) की स्थिति में यह तकनीक किसी व्यक्ति की जान बचा सकती है। उन्होंने प्रतिभागियों को बताया कि कार्डियक अरेस्ट में मरीज का पहला तीन मिनट "गोल्डन टाइम" होता है। यदि इस समय के भीतर सही प्रक्रिया से सीपीआर दिया जाए, तो मरीज की जान बचाई जा सकती है।

प्रशिक्षण के दौरान उन्होंने कहा कि यदि किसी व्यक्ति की सांसें और धड़कन रुक जाती हैं, तो सबसे पहले उसे किसी समतल और कठोर सतह पर लिटाया जाता है। प्राथमिक उपचारकर्ता उसके सिर के पास घुटनों के बल बैठता है और उसकी नाक और मुंह की जांच करता है। इसके बाद अपने दोनों हाथों को छाती के बीच में रखकर एक मिनट में लगभग 100–120 बार जोर से प्रेस करना होता है। हर 30 प्रेस के बाद दो बार मुंह से सांस दी जाती है कृ जिसे "रेस्क्यू ब्रीदिंग" कहते हैं। यह प्रक्रिया तब तक दोहराई जाती है जब तक पेशेवर मेडिकल सहायता नहीं मिल जाती या मरीज में चेतना नहीं लौटती। उन्होंने कहा कि सीपीआर आम नागरिक, छात्र, शिक्षक, पुलिसकर्मी, कर्मचारी हर किसी को सिखाना जरूरी है।

अध्यक्षता कर रही विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने कहा कि "यह प्रशिक्षण न केवल एक तकनीकी ज्ञान है, बल्कि जीवन बचाने की शक्ति है। हम इसे हर एक शिक्षक, विद्यार्थी, अधिकारी और कर्मचारी तक पहुंचाने का प्रयास करेंगे।"

इस अवसर पर उमानाथ सिंह चिकित्सा महाविद्यालय के डॉ. अरविंद पटेल ने सीपीआर पर उद्बोधन उपस्थिति प्रतिभागियों की सीपीआर से सम्बंधित जिज्ञासाओं का समाधान किया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव ने कहा कि सीपीआर एक बेसिक लाइफ स्किल है जिसे सभी को जानना चाहिए। अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो प्रमोद कुमार यादव ने बताया गया कि प्रतिवर्ष लाखों लोग हृदयाघात के कारण अपनी जान गंवाते हैं, जबकि समय रहते सही ढंग से सीपीआर देने पर जीवन बचाया जा सकता है। कार्यक्रम का संचालन डॉ मनोज पांडे ने तथा धन्यवाद ज्ञापन प्रो अजय प्रताप सिंह ने किया।

भारतीय संस्कृति से ही देश सुरक्षित रह सकता है इसे इसे घर–घर पहुंचाएं : राजकुमार सिंह

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना)

मंगलवार को शील कोचिंग कॉलेज हरदोई सभागार में संस्कृत बोध परियोजना अभियान के अंतर्गत जन शिक्षा परिषद द्वारा एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता राजकुमार सिंह क्षेत्र प्रमुख संस्कृति बोध परियोजना, पूर्वी उत्तर प्रदेश ने संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति से ही देश सुरक्षित रह सकता है इसे इसे घर–घर पहुंचाएं । इस निमित्त में संस्कृत बोध ज्ञान परीक्षा कराई जा रही ।जिससे संस्कृत प्रश्न निबंध प्रतियोगिता, कथन प्रतियोगिता , भाषण प्रतियोगिता, आचार्य पत्र

वाचन ,मूर्ति कला प्रतियोगिता, लोक नृत्य आदि सभी प्रकार का आयोजन कराया जाएगा इसमें प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य भारतीय संस्कृति को पुर्नजागृत कर देश को विश्व गुरु बनाने की ओर अग्रसरित करना है। कार्यक्रम में जनपद में संचालित सभी सरस्वती शिशु मंदिर विद्या मंदिर के प्रधानाचार्य ,प्रबंधक, संभ्रांत व्यक्ति, मातृशक्ति उपस्थित रहे साथ ही बहुत परियोजना प्रमुख , ब्रह्मचारी ,जिला प्रभारी तेजेन्द्र शुक्ला संभाग निरीक्षक श्याम मनोहर शुक्ला, संगोष्ठी के संयोजक जिला मंत्री डॉ शीर्षेन्दु शील त्रिवेदी, प्रांत प्रशिक्षण प्रमुख देवेंद्र पाल सिंह उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन जिला प्रमुख राम शंकर शुक्ला ने किया।

थाने परिसर में अश्लील डांस पर थानाध्यक्ष समेत 9 पुलिस कर्मी निलंबित

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर । शनिवार 16 अगस्त जन्माष्टमी के दिन जिले के पुलिस लाइन समेत सभी थानों में श्री कृष्ण जन्माष्टमी का त्यौहार धूमधाम से मनाया जा रहा था,वहीं दूसरे दिन थाना बदलापुर थाने का एक वीडियो सोसल मीडिया पर वायरल हुआ जिसमे थाना परिसर के अंदर बार बलाए अश्लील गानों पर ठुमके लगा रही थी।शराबी फिल्म के मशहूर गीत मुझे नौ लख्खा मंगा दे रे ओ सैयां दीवान गाने पर बार बालाएं ठुमके लगा रही थी और वहां मौजूद पुलिसकर्मी रंगारंग कार्यक्रम का आनंद ले रहे थे।जबकि उत्तर प्रदेश शासनादेश के तहत भक्ति गानों के अलावा थानो पर इस तरह के आयोजनों पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध लगा हुआ है तथा यह समय समय पर शासन से रिपीट भी होता रहता है।

इस घटना से जौनपुर पुलिस की काफी किरकिरी हुई,वीडियो का संज्ञान लेते हुए पुलिस अधीक्षक डॉ कौस्तूभ ने थानाध्यक्ष को तत्काल निलंबित करते हुए,मामले की जांच एसपी सिटी को सौंप दिया था।

वही इस मामले में आज मंगलवार को जांच में दोषी पाए गए दो उपनिरीक्षकों तथा 6 सिपाहियों को निलंबित कर दिया गया है।इस तरह अब तक कुल नौ पुलिसकर्मियों पर गाज गिर चुकी है।जांच अभी जारी है।

इस मामले में जानकारी देते हुए अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण आतिश कुमार सिंह ने बताया कि 16 अगस्त जन्माष्टमी के दिन रंगारंग कार्यक्रम के दौरान अश्लील गानों पर डांस का एक वीडियो वायरल हुआ था।इस पूरे प्रकरण में पुलिस अधीक्षक द्वारा बदलापुर प्रभारी को निलंबित कर दिया गया था तथा पूरे मामले की जांच एसपी सिटी को सौंपी गई थी।जांचोपरांत इस मामले में दो उपनिरीक्षक सहित टोटल आठ पुलिस कर्मियों को निलंबित किया गया है।इस प्रकार कुल नौ लोगो को निलंबित किया जा चुका है।फिलहाल जांच अभी जारी है इसके उपरांत भी अन्य कुछ निकालकर आता है उस पर भी कार्यवाही की जाएगी।इसकी जांच एसपी सिटी आयुष श्रीवास्तव कर रहे है।

ससुर द्वारा बच्चों को डांटने से मना करने से नाराज महिला ने तीन बच्चोंको खिलाया जहरीला पदार्थ एक बच्चे की मौत

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। शाहगंज कोतवाली थाना क्षेत्र के सबरहद गांव में सोमवार को पारिवारिक कलह को लेकर विवाहिता ने अपने 3 बच्चों समेत जहर पी लिया,जिसकी वजह से एक बच्चे की इलाज के दौरान मौत हो गई जबकि मां और 2 बच्चों की हालत नाजुक बनी हुई है,जिनका जौनपुर स्थित एक निजी अस्पताल में इलाज कराया जा रहा है। हालांकि महिला की हालत स्थिर बनी हुई है। थाना क्षेत्र अंतर्गत सविता पत्नी मोनू ने सोमवार की दोपहर बच्चों को चाउमीन खिलाया और फिर पानी में जहर मिला कर पिला दिया,हालत गंभीर होने पर परिजनों ने सभी को अस्पताल पहुंचाया,जहां शिवम (6)की मौत हो गई जबकि सविता (32) 8 वर्षीय सत्या(8) शिवांश (7) की हालत गंभीर बनी हुई है। जिनका इलाज निजी अस्पताल में जारी है।इस मामले में इस मामले में सविता के ससुर ने बताया कि रविवार को बहू ने छोटे बच्चे को मारा था जिसके सिर में चोट लग गयी थी।उसके बाद मैंने बहू को डाटा था,कि बच्चों को मारना नही चाहिए उनको समझाना चाहिए।उसके बाद सुबह मैं अपनी पत्नी को लेकर ससुराल चला गया था।मेरी छोटी बहू ने दोपहर में फोन कर बताया कि सविता ने जहर खा लिया और बच्चों को भी खिला दिया है।उसके बाद मैं घर आया और सबको अस्पताल ले गया,जिसमे एक बच्चे की मौत हो गयी।बाकी लोगो का इलाज चल रहा है। वही इस मामले में जानकारी देते हुए आतिश कुमार सिंह ने बताया कि माँ ने अपने बच्चों को किसी बात को लेकर डाटा था जिस पर ससुर ने बहू को डांट दिया।इसी ने नाराज होकर महिला ने अपने तीन बच्चों को कीटनाशक दवा दे दिया और खुद भी कहा लिया।

घर के अन्दर फंदे से लटका मिला युवक का शव

ब्यूरो चीफ . आलोक कुमार श्रीवास्तव

सुलतानपुर । कुड़वार थानाक्षेत्र के तिवारीपुर मठिया गांव में मंगलवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया जब घर के अंदर एक युवक का शव फांसी के फंदे से लटकता मिला मृतक की पहचान 28 वर्षीय चंद्रेश श्रीवास्तव पुत्र राकेश श्रीवास्तव के रूप में हुई हैं परिजनों के मुताबिक चंद्रेश सुबह देर तक कमरे से बाहर नहीं निकले जब आवाज देने पर कोई जवाब नहीं मिला तो परिजनों ने दरवाजा तोड़ा जहां उन्हें फंदे से लटकता हुआ पाया गया घटना की जानकारी मिलते ही गांव में सन्नाटा पसर गया सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक विधिक कार्यवाही शुरू कर दी हैं आत्महत्या के कारणों का अभी पता नहीं चल सका हैं पुलिस मामले की जांच कर रही हैं।

डीसीएम की टक्कर से एक बाइक सवार युवक की मौत

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना)

डीसीएम की टक्कर से एक बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, उसका साथी बाल–बाल बच गया। पुलिस ने डीसीएम को कब्जे में ले लिया है और फरार चालक की तलाश कर रही है। प्रभारी निरीक्षक अखिलेश कुमार के अनुसार कासिमपुर थाना क्षेत्र के संडीला–मल्लावां मार्ग पर मंगलवार सुबह करीब साढ़े नौ बजे डीसीएम ने बाइक सवार युवक को टक्कर मार दी। हादसे में युवक की घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि पीछे बैठा युवक बाल–बाल बच गया। मल्लावां कोतवाली के कस्बा फतेहपुर निवासी सारुफ (26) गांव में रहकर मजदूरी करता था। मंगलवार सुबह साढ़े नौ बजे मुहल्ले के ही रहने दोस्त जैद (20) के साथ बाइक से संडीला मेला देखने जा रहा था। कासिमपुर थाना क्षेत्र के संडीला–मल्लावां मार्ग पर गौसापुर पुल के निकट संडीला की ओर से आ रही तेज रफ्तार डीसीएम ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। इससे सारुफ की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि जबकि पीछे बैठा जैद बाल–बाल बच गया। चालक डीसीएम को छोड़कर भाग निकला। प्रभारी निरीक्षक अखिलेश कुमार ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। डीसीएम को कब्जे में ले लिया गया है। चालक की तलाश की जा रही है।

पूर्वांचल विश्वविद्यालय में मॉक इंटरव्यू सत्र का आयोजन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर,। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के सेंट्रल ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल की ओर से मंगलवार को विश्वविद्यालय के इन्क्यूबेशन सेंटर में मॉक इंटरव्यू सत्र का आयोजन किया गया। सत्र का संचालन सीटीपीसी के निदेशक प्रो. प्रदीप कुमार ने किया। प्रो. कुमार ने छात्रों को इंटरव्यू की तैयारी से जुड़ी बारीकियों, आत्मविश्वास बढ़ाने के उपायों और करियर निर्माण के लिए महत्त्वपूर्ण सुझाव दिए। उन्होंने कहा कि इंटरव्यू में प्रथम प्रभाव सबसे अहम होता है, इसलिए छात्रों को आत्मविश्वास के साथ प्रवेश करना चाहिए। साथ ही शारीरिक भाषा, स्पष्ट व संक्षिप्त उत्तर और रेज्यूमे की गहन जानकारी सफलता की कुंजी हैं। उन्होंने यह भी बताया कि किसी प्रश्न का उत्तर न आने पर विनम्रता से स्वीकार करना एक सकारात्मक गुण है। सत्र के दौरान छात्रा श्रेय मिश्रा का मॉक इंटरव्यू स्वयं निदेशक प्रो. प्रदीप कुमार ने लिया। इस प्रक्रिया में उन्होंने वास्तविक इंटरव्यू जैसे प्रश्न पूछे और उत्तरों पर रचनात्मक प्रतिक्रिया दी। इससे उपस्थित छात्रों को व्यावहारिक अनुभव प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्रों ने भाग लिया और इसे अत्यंत उपयोगी एवं प्रेरणादायक अनुभव बताया। छात्रों ने कहा कि ऐसे आयोजन न केवल आत्मविश्वास और संचार कौशल को मजबूत करते हैं बल्कि पेशेवर तैयारी में भी सहायक सिद्ध होते हैं। सत्र के सफल संचालन में सीटीपीसी टीम के सदस्य रुद्रांश चतुर्वेदी, दिव्यांशु संजय, हरि ओम साहू, श्रेया मिश्रा, आयुष गुप्ता, शिवांश श्रीवास्तव, आर्यन पांडेय एवं रोहित रंजन ने आदि उपस्थित थे।

यूरिया खाद संकट को लेकर आम आदमी पार्टी ने सौंपा ज्ञापन

बस्ती, (संवाददाता)। सोमवार को आम आदमी पार्टी जिलाध्यक्ष डा. राम सुभाष वर्मा के नेतृत्व में पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं ने यूरिया खाद संकट को लेकर जिलाधिकारी को सम्बोधित ज्ञापन प्रशासनिक अधिकारी को सौंपा। मांग किया कि किसानों को तत्काल प्रभाव से यूरिया खाद उपलब्ध कराया जाय और खाद की कालाबाजारी पर रोक लगाया जाय।ज्ञापन देने के बाद आम आदमी पार्टी जिलाध्यक्ष डा. राम सुभाष वर्मा ने कहा कि केन्द्र और राज्य की सरकार चाहे जितना दावा करे कि वह किसान हितों के लिये समर्पित है किन्तु सच्चाई ये है ।

चोरी की घटनाओं से ग्रामीणों में दहशत, दे रहे पहरा

बस्ती, (संवाददाता)। हर्रैया थाना क्षेत्र में गत दिनों हुई चोरी की घटनाओं से समौड़ी गांव के ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। ग्रामीण रात भर जागकर पहरा दे रहे हैं। चोरों के डर से, ग्रामीण ष्जागते रहोष् की आवाजें लगाकर एक–दूसरे को सतर्क कर रहे हैं। हाल ही में, चोरों ने थाना क्षेत्र के समौड़ी और देवरी गांव के दो घरों में चोरी की, जिससे लाखों रुपये के गहने और नकदी की चोरी हुई। प्रभारी निरीक्षक तहसीलदार सिंह ने कहा कि सुरक्षा की दृष्टि से ग्रामीणों की यह पहल काफी सराहनीय है। कहा कि पुलिस चोरों को पकड़ने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। पुलिस लगातार गश्त कर रही है, संदिग्धों पर नजर रख रही है, और सूचना जुटाने के लिए मुखबिरों का उपयोग कर रही है। इसके अलावा, पुलिस जनता से भी सहयोग मांग रही है, ताकि चोरों को जल्द से जल्द पकड़ा जा सके। उन्होंने बताया कि क्षेत्र में नागरिकों की सुरक्षा को लेकर पुलिस गम्भीर

है। जिसमें कोई कोताही नहीं बरती जाएगी। गाँव के ओम जी मिश्र, लवकुश मिश्र, प्रमोद मिश्र, रवि मिश्र ने बताया कि बीते 13–14 अगस्त की रात को गांव के राम जियावन शुक्ल और बगल के गांव देवरी के राजेन्द्र प्रसाद शुक्ल के यहां गहना और नकदी की भीषण चोरी से दहशत व्याप्त है स गांव की सुरक्षा की दृष्टिगत हम सभी ने रात में गश्त करने का निर्णय लिया और चोरी के दूसरे दिन से ही लगातार गश्त की जा रही है। गांव के रवीश मिश्र, विजय मिश्र, वेद मिश्र, उत्तम मिश्र ने बताया कि गश्त के दौरान देर रात आने–जाने वाली गाड़ियों की जांच पड़ताल ग्रामीणों द्वारा की जा रही है और संदिग्ध न मिलने पर उन्हें छोड़ दिया जा रहा है। कहा कि यदि कोई संदिग्ध व्यक्ति मिलता है तो पुलिस को सूचित किया जाएगा। बताया कि रात्रि गश्त के दौरान पुलिस की गाड़ियां भी गश्त करते हुए मिलती हैं जो की सुरक्षा के दृष्टि से काफी अच्छा है। गांव के सचिन मिश्र, गोपाल मिश्र, प्रशान्त आदि का कहना है कि दूर दराज के जिलों और अन्य प्रदेशों से आकर गांव–गांव फेरी लगाकर सामान बेचने वाले लोगों पर नजर बनाए रखने की जरूरत है। पुलिस को भी चाहिए कि ऐसे लोगों पर पूरी नजर बनाए रखें क्योंकि इन अनजान लोगों के द्वारा कभी भी क्षेत्र में चोरी जैसी अप्रिय घटनाएं हो सकती हैं।

ऑनलाइन व्यापार के लिए बनें ठोस नियम

भदोही, (संवाददाता)। नगर उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल के व्यापारियों ने सोमवार को मुख्यालय पहुंचकर डीएम व एसपी को पत्रक सौंपा। प्रधानमंत्री को संबोधित पत्रक में व्यापारियों ने ऑनलाइन व्यापार से व्यापारियों को होने वाले नुकसान से अवगत कराने के साथ ही स्थानीय समस्याओं के समाधान की मांग की। संगठन के जिलाध्यक्ष व ज्ञानपुर नगर पंचायत चेयरमैन घनश्यामदास गुप्ता ने कहा कि मध्यवर्गीय व्यापारी आवॅफलाइन बिजनेस कर रहे हैं। वहीं ऑनलाइन कारोबार का बाजार बढ़ता जा रहा है। इससे ऑफलाइन व्यापारियों के व्यापार में 75 फीसदी तक की गिरावट आई है। गोपीगंज नगर अध्यक्ष श्रीकांत जायसवाल ने कहा कि उत्पादक कंपनियां ऑनलाइन वेंडर को सस्ता और ऑफलाइन वेंडरों को महंगा सामान देते हैं। इसके कारण ऑनलाइन सामान सस्ता मिल जाता है। मांग की कि ऑनलाइन सेलर पर पे टैक्स बढ़ाने के साथ कंपनियां थोक विक्रय पर भी नियम बनाएं। इस मौके पर गोपाल अग्रवाल, बिट्टू सिंह, दामोदर अग्रहरि, दिन कुमार उमर आदि मौजूद रहे।

डा. अल्का शुक्ला पर प्रसूता के गलत आपरेशन से मौत का आरोप : दलित वर्ग संघ ने डीएम को सौंपा ज्ञापन

बस्ती, (संवाददाता)। भारतीय दलित वर्ग संघ के राष्ट्रीय सचिव साधू शरन आर्य ने जिलाधिकारी के प्रशासनिक अधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजकर मांग किया कि निजी अस्पतालों में प्रसूताओं की जिन्दगी से खिलवाड़ कर मोटी रकम वसूलने वाले चिकित्सकों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की जाय। जिला महिला अस्पताल के साथ ही सरकारी अस्पतालों में सक्रिय निजी अस्पतालो के दलालों पर अंकुश लगाया जाय। दलालों के चक्कर में फंसकर अनेक महिलाओं की मौत हो चुकी है।ज्ञापन में साधू शरन आर्य ने कहा है कि दिनेश कुमार निवासी रेती चौक गोरखपुर ने गर्भावस्था में अपनी पत्नी वैशाली को उसके नैहर दक्षिण दरवाजा थाना पुरानी बस्ती भेजा था। बैशाली को गत 22 जुलाई 2025 को प्रसव हेतु महिला चिकित्सालय में ले जाया गया। यहां एक दलाल ने कहा कि सरकारी अस्पताल में कोई व्यवस्था नहीं है, प्रसूता को डा. अल्का शुक्ला के पास ले चलिये, वहां आसानी से आपरेशन हो जायेगा। परिवार दलाल के बहकावे में आ गया और वैशाली को लाइफ लाइन मेडिकल सेन्टर में भर्ती कराया गया। यहां डाक्टर अल्का शुक्ला ने वैशाली का आपरेशन हुआ, लाइफ लाइन मेडिकल सेन्टर किसान हाई स्कूल परिसर में वैशाली की तबीयत आपरेशन के बाद बिगड़ गयी। 26 जुलाई की रात में आपरेशन हुआ और सबेरे डा. अल्का शुक्ला और उनके पति डा. जीएम शुक्ला ने डाटकर और गालियां देते हुये कहा कि आपका मरीज ठीक है, चाहिये तो उसे सावित्री हास्पिटल गोरखपुर लेकर जाइये। यहां सावित्री हास्पिटल के चिकित्सकों ने बताया कि अब मरीज के बचने की संभावना नहीं है। यहां से वैशाली को लखनऊ हायर सेन्टर के लिये रेफर कर दिया गया। यहां 10 दिनों के इलाज के बाद 6 अगस्त को वैशाली ने दम तोड़ दिया। चिकित्सकों का कहना था कि आपरेशन में डा. अल्का शुक्ला ने घोर लापरवाही किया है।भारतीय दलित वर्ग संघ के राष्ट्रीय सचिव साधू शरन आर्य ने मांग किया है कि मामले की उच्च स्तरीय जांच कराकर दोषी महिला चिकित्सक डा. अल्का शुक्ला के विरूद्ध मुकदमा दर्ज कराकर कड़ी कार्रवाई के साथ ही पीड़ित दलित परिवार को समुचित आर्थिक सहायता उपलब्ध कराया जाय। ज्ञापन सौंपने के दौरान अर्जक समाज के राष्ट्रीय संयोजक गौरीशंकर, सोनू राव, रामधीरज चौधरी, महबूब आलम का. रामलौट आदि शामिल रहे।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।